



नववर्ष का उपहार सरकारी नौकरी लगातार

JSSC द्वारा आयोजित
CGL परीक्षा में
चयनित 1,910 अभ्यर्थियों
का

नियुक्ति पत्र वितरण समारोह

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सम्मानित अतिथि

श्री राधा कृष्ण किशोर

माननीय मंत्री, वित्त विभाग, योजना एवं विकास विभाग,
वाणिज्य कर विभाग एवं संसदीय कार्य विभाग

श्री संजय प्रसाद यादव

माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं
कौशल विकास विभाग, उद्योग विभाग

30 दिसंबर, 2025 | अपराह्न 01:30 बजे से
मोरहाबादी मैदान, रांची

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

//-- सुविचार --//

शांत समुद्र
कुशल नाविक
नहीं बनाता।

सूच्योदय/सूच्यस्त

उदय : 06:29
अस्त : 05:12

प्रदेश का तापमान

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	24.0	09.0
जमशेदपुर	25.0	12.0
हजारीबाग	22.0	07.0
डालटनगंज	24.0	08.0

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में आज
से बढ़ेगा तापमान

रांची। झारखंड के विभिन्न जिलों में मंगलवार से तापमान में दो से तीन डिग्री वृद्धि होने की संभावना है। वहीं राज्य के उत्तरी जिलों (देवघर, दुमका, गिरिडीह जमताड़ा और पकुड़) में मंगलवार को कहीं-कहीं घना कुहसा छाने की संभावना है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान 27 डिग्री चाईबासा में और सबसे कम तापमान रांची के कांकि में 2.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इधर, सोमवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा। सुबह में भारी कनकनी महसूस की गई, लेकिन दिन चढ़ने के साथ ही धूप में तलछी महसूस की गई। हालांकि हल्के दर्जे की हवा के कारण ठंड भी महसूस की गई। वहीं, सोमवार को रांची में अधिकतम तापमान 22.2 डिग्री 22.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 6.2 डिग्री, जमशेदपुर में 24 पॉइंट से 10.5 डिग्री, डालटनगंज में 24.8 डिग्री और 6.1 डिग्री, बोकारो में 20.5 और 6.6, चाईबासा में अधिकतम तापमान 27 डिग्री और 9.2 डिग्री, खूंटी में 23.6 डिग्री और 4 डिग्री, लोहरदगा में 21.5 और 3.7 डिग्री और लातेहार में अधिकतम तापमान 18.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

चतरा : पेट्रोल पंप से
तीन लाख की लूट

चतरा। जिले के गिद्धौर थाना क्षेत्र अंतर्गत पंडेय महुआ- ब्रह्मपुर पथ पर स्थित इंदु प्यूल पेट्रोल पंप में रविवार देर रात हथियारबंद लुटेरों ने लूट की घटना का अंजाम दिया है। हथियार बंद दो अपाची बाईक से पांच की संख्या में अनैकबापेश अपराधियों ने गिस्टल की नोक पर पेट्रोल पंप कर्मियों से जमकर मारपीट की। पंप में लातेहार जिला के तौतीहसला गांव के दयानंद सिंह और गिद्धौर के बारिसाखी निवासी सौरभ पाण्डेय कार्यरत थे। मारपीट कर और भय दिखाकर लगभग तीन लाख रुपये नकद लूट लिया। लूटपाट के दौरान अपराधियों ने पंप परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे सहित अन्य उपकरणों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया।

विरोध

पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग के विशेष पर्यवेक्षक पर हमला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले के मगराहाट इलाके में सोमवार को चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त विशेष पर्यवेक्षक सी. मुरुगन को तीखे विरोध का सामना करना पड़ा। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में बड़ी संख्या में महिलाओं ने नारेबाजी करते हुए उनके वाहन पर हमला किया और कार के पिछले दरवाजे का लॉक क्षतिग्रस्त कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, प्रदर्शनकारी महिलाएं एसआईआर के खिलाफ नारे लगा रही थीं और साथ ही केंद्र सरकार पर 100 दिन के काम की योजना का फंड रोकने का आरोप भी लगा रही थीं। गो बैक के नारे लगाते हुए भीड़ ने

दीक्षांत समारोह. एनआईटी जमशेदपुर के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दी छात्रों को सीख, कहा

लोगों की जिंदगी में बदलाव ही असली सफलता

सरायकेला। सरायकेला-खरसावां जिले में स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जमशेदपुर के 15वें दीक्षांत समारोह में सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने छात्रों को सफलता और सामाजिक जिम्मेदारी का सन्देश दिया। उन्होंने कहा कि ऊंचे पद पर पहुंचना सफलता की गारंटी नहीं है, बल्कि जब आपके ज्ञान और कार्य से आम लोगों की जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आए, तभी सफलता का वास्तविक मूल्य समझा जा सकता है। उन्होंने कहा कि एनआईटी से डिग्री प्राप्त करने के बाद कई चुनौतियां छात्रों का इंतजार कर रही हैं, लेकिन धैर्य और सतत प्रयास से इनका सामना करना ही सच्ची सफलता है।

राष्ट्रपति ने दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 65 वर्षों से एनआईटी जमशेदपुर विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में सफलता के झंडे गाड़ रहा है। इस संस्थान ने देश को ऐसे इंजीनियर दिए हैं जिन्होंने विश्व स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है। उन्होंने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी 1,114 छात्रों को बधाई दी। इनमें से 612 छात्र समारोह में व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहे। राष्ट्रपति ने कहा कि दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करना वर्ष भर के संघर्ष और परिश्रम का परिणाम है और यह सिर्फ उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि देश के प्रति नए संकल्प लेने का भी समय है।



राष्ट्रपति मुर्मु ने छात्रों को राष्ट्र निर्माता की संज्ञा देते हुए कहा कि शिक्षण संस्थान केवल डिग्री देने की जगह नहीं हैं, बल्कि यह भविष्य की सोच को आकार देने वाली बौद्धिक प्रयोगशालाएं हैं। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग देशहित में करें और तकनीकी विकास को मानव कल्याण का माध्यम बनाएं। उन्होंने कहा कि एनआईटी में शिक्षा और नवाचार को समाज की जरूरतों से जोड़ने के लिए प्रभावशाली सिस्टम विकसित किया गया है, जिसमें सेंटर फॉर इनोवेशन और स्टार्टअप इकोसिस्टम भी शामिल हैं। उन्होंने तकनीक के दुरुपयोग

जैसे साइबर ठगी की ओर भी ध्यान दिलाया और उम्मीद जताई कि एनआईटी इसके समाधान पेश करेगा।

माता-पिता व शिक्षकों के प्रति कृतज्ञ रहें

समारोह के दौरान एक क्षण तब आया जब राष्ट्रपति ने छात्रों की तालियों की कमी पर चुटकी ली। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि छात्रों को उत्साह दिखाते हुए तालियां बजानी चाहिए। छात्रों ने बाद में जोर-शोर से तालियां बजाकर माहौल को जीवंत किया। राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों को अपने माता-पिता और शिक्षकों के प्रति कृतज्ञ रहने की सीख दी। उन्होंने विशेष रूप से

मानद उपाधि प्राप्त करने वाले स्वामी गोविंद देव गिरी (डॉक्टर ऑफ लिटरेचर) और उद्योगपति रवींद्र कुमार बेहरा (डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी) को बधाई दी।

राष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी संस्थान की रैंकिंग केवल छात्रों की सफलता या प्लेसमेंट से नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह देखा जान चाहिए कि उसके छात्र देश के विकास में कितना योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना केवल ऊंची इमारतों और मजबूत अर्थव्यवस्था से पूरा नहीं होगा, बल्कि तब साकार होगा जब समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी गरिमापूर्ण जीवन जीने का अवसर मिले।



जमशेदपुर पहुंचने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का स्वागत करते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन।

जमशेदजी टाटा ने आम जनता की गरिमा को दिया समान महत्व : राज्यपाल

कार्यक्रम में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने डिग्री और पदक प्राप्त छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन नई जिम्मेदारियों की शुरूआत का दिन है। उन्होंने जमशेदजी नुसरवानजी टाटा और रतन टाटा की भी स्मृति दिलाई और कहा कि उन्होंने औद्योगिक विकास के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और आम जनता की गरिमा को समान महत्व दिया। राष्ट्रपति ने सड़क पर रोका काफिला, उतरकर किया लोगों का अभिवादनएनआईटी जमशेदपुर जाने के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अपने सादगीपूर्ण और सहज व्यवहार से सभी का दिल जीता। कार्यक्रम स्थल की ओर जाते समय राष्ट्रपति ने अचानक सड़क पर अपना काफिला रुकवाया और कार से बाहर निकलकर सड़क किनारे खड़े लोगों का हाथ जोड़कर अभिवादन किया, जिससे वहां मौजूद लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। राष्ट्रपति ने मुस्कुराते हुए सभी का अभिवादन स्वीकार किया और कुछ देर तक लोगों से आत्मीयता के साथ मिलीं। दीक्षांत समारोह में कुल 1,114 छात्रों को मिली डिग्रियांदीक्षांत समारोह में शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए एमएससी (भौतिकी) के कृष्णाशिष मंडल (9.64 सीजीपीए) और बीटेक (इलेक्ट्रिकल) के प्रियांशु राज (9.52 सीजीपीए) को राष्ट्रपति के हाथों गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। समारोह में कुल 1,114 छात्रों को डिग्रियां दी गईं, जिनमें 417 स्नातक, 149 स्नातकोत्तर और 46 पीएचडी शोध छात्र शामिल थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का अपनत्व

काफिला रुकवाकर
लोगों से मिलाया हाथ



आदित्यपुर। एनआईटी जमशेदपुर के 15वें दीक्षांत समारोह में शामिल होने के बाद लौटते समय भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रोटोकॉल से हटकर आम जनता से आत्मीय संवाद कर सबका दिल जीत लिया। सरायकेला के आकाशवाणी चौक के पास राष्ट्रपति ने अचानक अपने काफिले को रुकवाया और करीब आधा किलोमीटर तक पैदल चलकर सड़क किनारे खड़े लोगों से

मुलाकात की। इस दौरान राष्ट्रपति ने मुस्कुराते हुए लोगों का अभिवादन स्वीकार किया और बच्चों को टॉफी बांटी। बच्चों से बातचीत करते हुए उनका सहज और अपनत्व भरा व्यवहार देखकर मौके पर मौजूद लोग भावुक हो उठे। राष्ट्रपति को इतने करीब से देखकर लोगों में अचानक अपने काफिले को रुकवाया और करीब आधा किलोमीटर तक पैदल चलकर सड़क किनारे खड़े लोगों से

चतरा. कुंदा थाना क्षेत्र स्थित गेंदरा गांव में गोलियों की तड़तड़ाहट

टीएसपीसी के दो गुटों में हुई
फायरिंग, दो की मौत, दो घायल

चतरा। चतरा जिले के सुदूरवर्ती कुंदा थाना क्षेत्र स्थित गेंदरा गांव में रविवार की आधी रात प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन तृतीय समेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) के दो गुटों के बीच गोलीबारी की घटना हुई है। दोनों ओर से हुई गोलीबारी में मौके पर दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। घायलों को रिम्स रांची में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घटनास्थल से दो देसी कट्ठा बरामद किया है।

एसपी सुमित अग्रवाल ने बताया कि दो गुटों में हुई वर्चस्व की लड़ाई में मारे गए दो उग्रवादियों में से एक की पहचान टीएसपीसी संगठन के सब जोनल कमांडर देवेंद्र गंडू के रूप में हुई है। उस पर चतरा, हजारीबाग, लातेहार, पलामू के कई थानों में 30 से अधिक मामले दर्ज हैं, जबकि दूसरे की शिनाख्त चुरामन गंडू के रूप में हुई है। गंधीर घायलों में श्याम भोक्ता और उसका साला गोपाल गंडू शामिल है। दोनों को प्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में



प्राथमिक इलाज के बाद रिम्स रेफर किया गया है। उन्होंने बताया कि कुंदा निवासी श्याम भोक्ता पर भी नक्सली वारदात में संलिप्तता को लेकर कई मामले दर्ज हैं। एसपी के अनुसार देवेंद्र गंडू और चुरामन अपने कुछ साथियों के साथ श्याम भोक्ता के घर पहुंचा। इस दौरान किसी आपसी विवाद को लेकर दोनों के बीच फायरिंग हो गई। इस फायरिंग में देवेंद्र और चुरामन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गोपाल भोक्ता और उसका साला गोपाल गंधीर रूप से घायल

हो गए। बताया जा रहा है कि लेवो के बंटवारे और वर्चस्व की लड़ाई को लेकर यह घटना हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हाईकोर्ट जजों पर आरोप लगाने पर शीर्ष कोर्ट की टिप्पणी

'लोग सियासी लाभ लेने
की कोशिश कर रहे'

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि कुछ लोग उन्नाव दुष्कर्म मामले का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं। शीर्ष कोर्ट ने यह टिप्पणी तब की, जब निष्कासित भाजपा नेता कुलदीप सेंगर के वकीलों ने कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट के उन जजों के खिलाफ आरोप लगाए जा रहे हैं, जिन्होंने सेंगर की उम्रकैद की सजा को निलंबित किया था। हाईकोर्ट ने उन्नाव दुष्कर्म मामले में सेंगर की आजीवन कारावास की सजा को यह कहते हुए निलंबित कर दिया था कि वह पहले ही सात साल और पांच महीने जेल में बिता चुका है। तीन जजों की अवकाशकालीन पीठ की अध्यक्षता कर रहे मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति सुर्वकांत ने कहा, 'हम जानते हैं। हम कोई संकीर्ण सोच वाले लोग नहीं हैं। हम जानते हैं कि लोग राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं और कुछ लोग ही ऐसा कर रहे हैं।' सेंगर की ओर से वरिष्ठ वकील एन.

हरिहरन पेश हुए। उन्होंने शीर्ष कोर्ट को बताया कि इस मामले की सुनवाई करने वाले हाईकोर्ट के जजों पर आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को जजों के खिलाफ बयान या आरोप लगाने से बचना चाहिए। हरिहरन ने कहा, वे यह सब राष्ट्रीय टेलीविजन चैनलों पर कर रहे हैं। सेंगर की ओर से पेश एक अन्य वकील ने बताया कि हाईकोर्ट के जजों की तस्वीरें प्रसारित की जा रही हैं। हरिहरन ने कहा कि जजों पर आरोप लगाने का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है और यह चिंता का विषय है। इसके बाद पीठ ने टिप्पणी की कि ऐसे लोग यह बात भूल जाते हैं कि सेंगर को न्यायपालिका ने ही दोषी ठहराया था। अवकाशकालीन पीठ में न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह भी शामिल थे। सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा, स्पष्ट रूप से कहें तो ये जज हमारे यहां सर्वश्रेष्ठ जजों में से हैं।



बच्चा बरामद, महिला समेत 3 गिरफ्तार

धनबाद : झारखंड के धनबाद स्थित शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएससीएच) से शनिवार-रविवार की दरमियानी रात चोरी हुए नवजात शिशु को धनबाद पुलिस ने सुरक्षित बरामद कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने एक महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अस्पताल के एक आउटसोर्सिंग कर्मचारी सहित कुछ अन्य संदिग्धों से पूछताछ की जारी है।

नर्स बनकर आई महिला की भूमिका संदेह के दायरे में

पुलिस की इस कार्रवाई से पीड़ित परिवार ने राहत की सांस ली है। टुंडी थाना क्षेत्र के मनियाडीह स्थित भेलोई (भेलवे) गांव निवासी शालिग्राम मरांडी ने 24 दिसंबर को अपनी पत्नी सरिता मरांडी को प्रसव के लिए एसएनएमएससीएच में भर्ती कराया था। 25 दिसंबर को सरिता



ने एक पुत्र को जन्म दिया। शनिवार-रविवार की रात गायनी वार्ड में नर्स के वेश में एक महिला नवजात की जांच कराने के बहाने वार्ड में पहुंची और फिर बच्चा गायब हो गया। परिजनों का आरोप है कि महिला ने सरिता की सास से बच्चे को गोद में लिया और जांच का हवाला देकर वार्ड से बाहर निकल गई, लेकिन वापस नहीं लौटी। काफी देर तक इंतजार और तलाश के बाद जब बच्चा नहीं मिला तो परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर खुलासा

सूचना पर सरायढेला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू की। बाद में, गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने धनबाद के ईस्ट बसस्टैंड और भूली के रेगुनी इलाके में छापेमारी की। देर रात की गई इस कार्रवाई में नवजात को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। साथ ही, पुलिस ने एक महिला समेत तीन न्यायमूर्तों को गिरफ्तार किया है। अस्पताल के आउटसोर्सिंग कर्मचारी मोहम्मद हासिम को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि बच्चे की चोरी के बदले आरोपियों को पैसे का भुगतान किया जा चुका था। फिलहाल नवजात को चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है और औपचारिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसे मां को सौंपने की तैयारी की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड आंदोलनकारी प्रमाण पत्र के वितरण को लेकर चान्हो प्रखंड कमिटी ने बीडीओ को साँपा झापन

चान्हो : चान्हो प्रखंड कमिटी झारखण्ड आंदोलनकारी मोर्चा का एक प्रतिनिधि मंडल सोमवार को चान्हो प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी को झारखण्ड आंदोलनकारियों के प्रमाणपत्र देने को लेकर झापन साँपा, जिसमे विगत 3 दिसंबर को उपायुक्त द्वारा झारखण्ड आंदोलनकारियों को आंदोलन सम्मान प्रमाण पत्र प्रदान किया गया तथा कुछ आंदोलनकारियों का सम्मान पत्र प्रखंड भेजा गया और इसका वितरण प्रखंड के पदाधिकारियों द्वारा किया जाना है जिसको लेकर वितरण की तिथि निर्धारित करने की मांग की, मौके पर जीवन ज्योति मिंज, मंगल देव उराव, भउवा उरांव, अलफ्रेंड मिंज, महादेव उरांव, प्रदीप पाहन उपस्थित थे।

मक्का स्कूल की पूर्व प्रधानाध्यापिका उमा साहू का निधन



बुढ़मू : बुढ़मू प्रखंड के मक्का निवासी और उत्कर्मित मध्य विद्यालय कनाडीह के शिक्षक पवन कुमार साहू की मां उमा साहू (74) वर्षीय का आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन से परिवार वालों में मातम पसरा हुआ है और क्षेत्र में शोक की लहर है। उनके निधन की सूचना मिलते ही क्षेत्र के लोगों ने दुख व्यक्त किया, और कई गणमान्य लोगों ने उनके घर जाकर परिवार वालों से मिलकर ढाढस बंधाया। बता दें कि उमा साहू, राजकीय मध्य विद्यालय मक्का के सेवानिवृत्त पूर्व प्रधानाध्यापिका शिक्षिका रही हैं। पूर्व प्रधानाध्यापिका शिक्षिका उमा साहू का स्थानीय नदी घाट में समाज के विधि नियमानुसार अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार के मौके पर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण शामिल हुए।

वाहन के धक्के से साइकिल सवार मरा

खूंटी। जरियागढ़ थाना क्षेत्र के कर्ग-गाँवदुपुर रोड में डेहकेला गांव के पास रविवार को अज्ञात वाहन के चोट में आने से कुदा बड़का टोली निवासी बहुरा मुंडा (37) की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बहुरा मुंडा साइकिल से जलंगा बाजार गया हुआ था। वह बाजार करके साइकिल से वापस घर कुदा बड़का टोली लौट रहा था। जलंगा बाजार के पास ही एक अज्ञात वाहन चालक पीछे से बहुरा मुंडा को जोरदार धक्का मार कर फरार हो गया। जोरदार धक्का लगने से बहुरा मुंडा के सिर और शरीर में गंभीर चोट लगने से घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी ग्रामीणों ने जरियागढ़ थाना की पुलिस को दी। पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर शव को जरियागढ़ ले गई। सोमवार को सड़क अस्पताल खूंटी में शव का पोस्टमार्टम कराकर प्रिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस अज्ञात वाहन की खोजबीन पर जुट गई हैं। बहुरा मुंडा अपने पीछे पत्नी सहित चार छोटे-छोटे बच्चों को छोड़ गया है। बहुरा मुंडा अपने परिवार का एक मात्र सहारा था। बहुरा मुंडा की मृत्यु से परिवार पर आर्थिक संकट पैदा हो गई है।

पारंपरिक एवं सांस्कृतिक पर्व दुसू महोत्सव 11 जनवरी 2026 को : देवेंद्रनाथ

अल्बर्ट एक्का चौक के समीप होगा महोत्सव

जनक सिंह महतो

सिल्ली। राजधानी रांची में 11 जनवरी 2026 को आयोजित होने वाले पारंपरिक एवं सांस्कृतिक पर्व 'राजधानी दुसू महोत्सव- 2026 की तैयारियां जोरों पर है । यह कार्यक्रम 'झारखंडी भाषा खतियान संस्कृति समिति' द्वारा किया जा रहा है । प्रत्येक वर्ष की भांति यह कार्यक्रम राजधानी रांची के केंद्र बिंदु अल्बर्ट एक्का चौक में संपन्न होगी । महोत्सव को भव्य एवं आकर्षक रूप देने हेतु आयोजन समिति द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां को लेकर आज सामूहिक चर्चा-परिचर्चा हुआ । इस महोत्सव के माध्यम से झारखंड की समृद्ध लोक-संस्कृति, परंपरा एवं आदिवासी - मूलवासि पहचान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की बात कही गई । बैठक की अध्यक्षता करने वाले डॉ वीरेंद्र महतो ने कहा कि इस कार्यक्रम में

मांडर. जाहेर स्थित मदर इंटरनेशनल स्कूल में जमीन विवाद, बंधु तिर्की ने ग्रामीणों संग की बैठक

जब तक सीओ का आदेश नहीं आता, नहीं होगा निर्माण : बंधु

नव प्रदेश संवाददाता

मांडर : मांडर प्रखंड के जाहेर गांव में मदर इंटरनेशनल स्कूल द्वारा गैर मजरूवा जमीन में बाउंड्री निर्माण का कार्य किया जा रहा था, जिस पर गाँव के ग्रामीणों ने आपत्ति जताई। ग्रामीणों द्वारा इस मामले की सूचना पूर्व विधायक बंधु तिर्की को दी गई। सूचना मिलते ही बंधु तिर्की मौके पर पहुँचे और और ग्रामीणों तथा स्कूल प्रबंधन के साथ बैठक कर अंचलाधिकारी की उपस्थिति में पूरे मामले की जानकारी ली तथा उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जब तक मांडर अंचलाधिकारी का स्पष्ट आदेश नहीं आता है, तब तक किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं किया जाएगा। बंधु तिर्की के निर्देश के बाद तत्काल प्रभाव से निर्माण कार्य को रोक दिया गया। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि मामले की निष्पक्ष जाँच कर नियमानुकूल निर्णय लिया जाए, ताकि ग्रामीणों के अधिकारों की रक्षा हो सके। इस मौके पर



अंचलाधिकारी चंचला कुमारी, मुखिया लक्षमण भगत, बेलस टोपो, तबारक खान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे और

उन्होंने बंधु तिर्की के इस कदम का स्वागत किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर गुमला में सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक पूर्वभ्यास

डीसी व एसपी ने की कारकेड रिहर्सल की समीक्षा

गुमला : भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया के प्रस्तावित गुमला जिला भ्रमण कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन पूर्णतः सतर्क एवं प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में आज उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी प्रेरणा दीक्षित एवं पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जर्मा के संयुक्त नेतृत्व में कारकेड रिहर्सल (सुरक्षा कार्रफेले का पूर्वाभ्यास) आयोजित कर सुरक्षा एवं लॉजिस्टिक्स व्यवस्थाओं का समग्र एवं वास्तविक परिस्थितियों में परीक्षण किया गया।कारकेड रिहर्सल के दौरान राष्ट्रपति के संभावित आगमन एवं प्रस्थान मार्ग, वैकल्पिक रूट लाइन, समय-समन्वय, यातायात नियंत्रण, सुरक्षा घेरा, एस्कॉर्ट व्यवस्था, संचार प्रणाली, आपातकालीन सेवाओं की तत्परता तथा त्वरित रिस्पांस मैकेनिज्म का सूक्ष्म स्तर पर आकलन किया गया।



रिहर्सल का उद्देश्य प्रत्येक स्तर पर समन्वय को परखते हुए यह सुनिश्चित करना था कि कार्यक्रम के दौरान निर्बाध, सुरक्षित एवं प्रोटोकॉल-अनुरूप संचालन हो। उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने रिहर्सल के उपरांत अधिकारियों को निर्देशित

तथा निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करें। पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए रूट लाइन, बैरिकेडिंग, चेकिंग प्वाइंट्स, फील्ड ड्यूटी में तैनात बलों की भूमिका तथा कंट्रिंजेंसी प्लान पर विशेष बल दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक कर्मी अलर्ट मोड में रहते हुए अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूर्ण अनुशासन एवं सतर्कता के साथ करे।कारकेड रिहर्सल के माध्यम से संभावित कमियों एवं सुधार योग्य बिंदुओं की पहचान कर तत्काल आवश्यक दिशा-निर्देश निर्गत किए गए, ताकि राष्ट्रपति के आगमन के दौरान जिले में सुरक्षा, सुव्यवस्था एवं प्रशासनिक दक्षता का सर्वोच्च मानक स्थापित किया जा सके।ज्ञात हो कि कल पूर्वाह्न 10:50 में

माननीय राष्ट्रपति महोदया जशपुर स्थित हवाई अड्डे में पहुंचेंगीं वहां से सड़क मार्ग से गुमला रायडीह प्रखंड स्थित शंख मोड़ मांझाटोली समीप आयोजित मुख्य कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय जन संस्कृति समागम - कार्तिक जवरा 2025 कार्यक्रम में शामिल होंगी, कार्यक्रम का सम्भावी समापन अपराह्न 12:20 तक होगा एवं राष्ट्रपति महोदया पुनः सड़क मार्ग से जशपुर हवाई अड्डे से प्रस्थान करेंगीं।कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा समय समय पर मॉनिटरिंग की जा रही है, एवं अंतिम जाँटेंट ब्रीफिंग आज संध्या में पुनः आयोजित की जाएगी।इस अवसर पर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ पदाधिकारी, संबोधित विभागों के अधिकारी एवं सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ पर 31 को होगी मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना

खूंटी। जिले में अयोध्या स्थित श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ को लेकर जोर-शोर से तैयारियां की जा रही हैं।31 दिसंबर को जिले भर के मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, धार्मिक अनुष्ठान एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इससे संबंधित जानकारी देते हुए बजरंग दल के जिला संयोजक मुकेश जायसवाल ने सोमवार को बताया कि वर्षगांठ के अवसर पर विशेष रूप से भगत सिंह चौक खूंटी, श्रीराम मंदिर बेला हाथी रोड, नेताजी चौक तथा दुर्गा मंदिर मिश्रटोली में भव्य पूजन कार्यक्रम आयोजित होंगे। उन्ेहोंने बताया कि भगत सिंह दुर्गा पूजा समिति की ओर से हनुमान मंदिर में सुबह सुंदरकांड पाठ, शाम को महाआरती, भजन संध्या और महाभंडार की व्यवस्था की गई है।

देश को दिशा देने वाले नेता थे अटलजी : संजय सेट

सिल्ली में अटल स्मृति सम्मेलन आयोजित

नव प्रदेश संवाददाता

सिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्य पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में सोमवार को सिल्ली स्थित एक बैंक्वेट हॉल में भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष विनय महतो धीरज की अध्यक्षता में अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का उद्देश्य अटल जी के राष्ट्रवादी विचारों सुशासन की अवधारणा और लोकतांत्रिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाना था। सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेट ने कहा कि अटल जी एक कुशल प्रशासक संवेदनशील कवि और ओजस्वी वक्ता थे । उन्होंने कहा कि अटल जी ने भारतीय राजनीति को मर्यादा और संवाद की नई परंपरा दी। उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा को समर्पित रहा। पोखरण

भाजपा सांसद आदित्य साहू ने किया बुढ़मू प्रखंड का दौरा



बुढ़मू : भाजपा के राज्य सांसद आदित्य प्रसाद साहू ने बुढ़मू प्रखंड का दौरा किया। इस दौरान राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू ने क्षेत्र के समस्याओं से अवगत हुए और जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया। इससे पूर्व सर्वप्रथम जैसे ही राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू बुढ़मू पहुंचे, भाजपा बुढ़मू मंडल के कार्यकर्ताओं ने उन्हें माला पहनाकर स्वागत और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। मौके पर भाजपा बुढ़मू मंडल के अध्यक्ष जगलाल महतो, भाजपा मंडल प्रतिनिधि राजू गोस्वामी, बहादुर साहू, तारकेश्वर भारती, प्रदीप साहू, शंकर साहू, योगेंद्र यादव, जय साहू, विष्णु यादव, नंदलाल पहान, अर्जुन महतो, प्रकाश साहू समेत दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

आजादी के 78 साल बाद भी सड़क, पुल, बिजली, पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित ताबील गांव



गुमला : गुमला जिला के घाघरा प्रखंड से मात्र 13 किलोमीटर दूर आर पंचायत के घने जंगलों के बीच बसा ताबील गांव आजादी के 75 वर्ष बाद भी विकास की रोशनी से कोसों दूर है। यहां के ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं के अभाव में संघर्षपूर्ण जीवन जीने को मजबूर हैं। सड़क, पुल, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण जैसी मूलभूत जरूरतें आज भी इस गांव के लिए सपना बनी हुई हैं।

बरसात में प्रखंड मुख्यालय से कट जाता है गांव का संपर्क : गांव तक पक्की सड़क न होने से ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियां झेलनी पड़ती हैं। बरसात के मौसम में स्थिति और भयावह हो जाती है, जब नदी-नाले उफान पर होते हैं और खेतों में पानी भर जाता है। ऐसे में गांव का संपर्क पूरी तरह कट जाता है। स्कूल जाने वाले बच्चे बरसात के दिनों में पढ़ाई से वंचित रह जाते हैं, जबकि बीमारों और गर्भवती महिलाओं को कंठों पर लादकर करीब तीन किलोमीटर दूर मलंगो मुख्य पथ तक ले जाना पड़ता है।

नदी पार करना बना ग्रामीणों के लिए जोखिम : गांव में प्रवेश से पहले नदी पर पुल न होने से ग्रामीण बांस का अस्थायी पुल बनाकर पार करते हैं। यह पुल कभी भी ढह सकता है, खासकर बरसात में जहां खतरा दोगुना हो जाता है। 300 ग्रामीण इसी पुल पर निर्भर हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। **सोलर पैनल मात्र सरकारी दिखावा, रातें अंधेरे में गुजारने को मजबूर :** गांव में सरकारी बिजली आपूर्ति अभी तक नहीं पहुंची। 17 नवंबर 2025 को सोलर प्लान्ट लगाकर घर-घर कनेक्शन दिए गए, लेकिन यह व्यवस्था बेकार साबित हुई। रात में महज एक-डेढ़ घंटे बल्ब जल पाता है, फिर गांव अंधेरे में डूब जाता है। इससे न बच्चों की पढ़ाई हो पा रही है, न सिंचाई के लिए मोटर चल पाती। ग्रामीण अन्य गांवों की तरह स्थायी सरकारी बिजली चाहते हैं।

आंगनवाड़ी केंद्र का अभाव, कुपोषण की चपेट में बच्चे-महिलाएं : 300 आबादी वाले इस गांव में आंगनवाड़ी केंद्र न होने से महिलाएं व बच्चे पोषण योजनाओं से वंचित हैं। दूसरे गांव से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कभी-कभार आती हैं, लेकिन नियमित व्यवस्था न होने से गर्भवती महिलाओं व बच्चों को कुछ नहीं मिलता।

नक्सली मुक्त होने के बाद भी विकास से वंचित ताबिल गांव : ग्रामीणों का कहना है कि सड़क, पुल और बिजली जैसे बुनियादी सुविधाओं के अभाव में यह गांव लंबे समय तक नक्सलियों का सुरक्षित ठिकाना रहा। अब क्षेत्र नक्सली मुक्त है लेकिन विकास अब भी गांव की चौखट तक नहीं पहुंच पाया। जब यह संवाददाता ताबिल गांव पहुंचा, तो उन्हें देखकर ग्रामीणों में उत्साह की लहर दौड़ गई। वर्षों से उपेक्षित गांव में किसी अखबार प्रतिनिधि का पहुंचना ग्रामीणों के लिए एक नई उम्मीद लेकर आया। इस दौरान गांव के 75 वर्षीय बुजुर्ग विलास टोपनो भावुक होकर संवाददाता के पास पहुंचे और कहा कि आज तक हमारे गांव में कोई भी अखबार का प्रतिनिधि हमारी समस्याओं को देखने और सुनने नहीं आया। आप पहले व्यक्ति हैं जो हम लोगों के बीच आए हैं।



परमाणु परीक्षण , प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना , स्वर्णिम चतुर्भुज योजना और विदेश नीति में भारत की शासन पहचान उनके दूरदर्शी नेतृत्व के प्रमुख उदाहरण हैं। संजय सेट ने अपने संबोधन में अटल जी के साथ बिताए अनछूए पल को भी साझा किए। उन्होंने अटल जी के विचारों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रामकांत महतो ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए

कहा कि अटल जी ने देश को ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए निर्भरता से कार्य किया । उन्होंने यह साबित किया कि देश से बड़ा कोई नहीं हो सकता । अटल जी नहीं होते तो झारखंड का निर्माण नहीं होता । सम्मेलन का संचालन मंडल अध्यक्ष अंबुज रजक ने तथा धन्यवाद झापन मंडल अध्यक्ष भगीरथ महतो ने किया । मौके पर राजा पुष्पेंद्र नाथ सिंह देव , पूर्णिमा सिंह देव , मंडल अध्यक्ष मेघनाथ महतो , खगेश महतो , सुभाष

महतो, भाजपा नेता राजेंद्र प्रसाद साईं , कृष्ण कुमार महतो , निखिल साहू , गौरांग कोईर्रा , सुकुमार विश्वकर्मा , सुभाष लाहा , साधुचरण महतो , पदलोचन महतो , वासुदेव महतो , शैलेंद्र बड़ईक , सुधीर साहू , श्याम सुंदर महतो , प्रकाश चंद्र कर्मकार , गंगाधर साहू , दुर्गोधन महतो , हरेंद्र प्रमाणिक , हरिहर महतो , पंकज महतो , सैनेहलता महतो , रमेश महतो , राजेन्द्र कोईरी समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे ।

संपादकीय



हमारे व्यवहार से है प्रदूषण

हर सर्दी दिल्ली समेत उत्तर भारत का एक बड़ा हिस्सा जानी-पहचानी मुसीबत में फंस जाता है। एयर क्वालिटी इंडेक्स 400 के पार चला जाता है। स्कूल बंद हो जाते हैं। निर्माण कार्य रुक जाता है। सोशल मीडिया सरकारों के खिलाफ गुस्से से भर जाता है। लेकिन, इस दिखाई देने वाली धुंध के पीछे एक शांत, कहीं ज्यादा गंभीर समस्या छुपी है। भारत की प्रदूषित हवा चुपचाप उसकी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा रही है। अक्सर इसका हिसाब भी नहीं रखा जाता। भारत का वायु प्रदूषण संकट सिर्फ पर्यावरण या शासन की विफलता नहीं है। अलबत्ता, यह एक व्यवस्थित आर्थिक रिसाव है, जिसे नागरिक, श्रमिक और व्यवसाय हर साल मिलकर भरते हैं। प्रदूषण सिर्फ फेफड़ों की बात नहीं है। यह जेब पर भारी पड़ता है। खराब हवा की गुणवत्ता का असर अस्पतालों और इन्वेलर से कहीं आगे तक जाता है। यह उत्पादकता, खपत और शहरी प्रतिस्पर्धात्मकता को लंबे समय तक बाधित करता है। जहरीली हवा के कारण बार-बार होने वाली बीमारियां ज्यादा छुट्टी लेने और वर्कफेस की एफिशिएंसी कम होने का कारण बनती हैं। स्वास्थ्य खर्चों में बढ़ोतरी से घरेलू बचत कम हो जाती है। इससे विवेकाधीन खर्च सीमित हो जाता है। विभिन्न क्षेत्रों में मांग धीमी हो जाती है। वहीं, उच्च कुशल पेशेवर भारी प्रदूषित शहरों से बचने लगे हैं। इससे प्रतिभा का प्रवाह प्रभावित होता है। शहरी विकास की रफ्तार धीमी होती है। इसके अलावा, सीधे तौर पर आर्थिक बाधाएं भी आती हैं। पीक पॉल्यूशन पीरियड के दौरान निर्माण पर प्रतिबंध, वाहनों पर रोक और आपातकालीन उपाय आर्थिक गतिविधियों की रोक देते हैं। परिवोजनाओं में देरी करते हैं। जीडीपी की रफ्तार को धीमा करते हैं। समय के साथ ये रुकावटें मिलकर विकास पर एक मापने योग्य बोझ बन जाती हैं। वायु प्रदूषण चुपचाप मध्यम वर्ग, श्रमिकों और व्यवसायों पर टैक्स लगाता है। इसकी कीमत सिर्फ प्रदूषण आपातकाल के दौरान नहीं, बल्कि रोजाना चुकानी पड़ती है। भारत में प्रदूषण इसलिए बना हुआ है, क्योंकि प्रोत्साहन और व्यवहार अभी भी इसका समर्थन करते हैं। किसी एक नीति की विफलता के उलट वायु प्रदूषण एक विकेंद्रीकृत समस्या है। यह लाखों व्यक्तिगत निर्णयों से प्रेरित होती है। पराली जलाने और डीजल वाहनों को प्राथमिकता देने से लेकर डीजल जनरेटर सेटों के व्यापक उपयोग और त्योहारों पर पेटावों तक, प्रदूषण के स्रोत आर्थिक और जीवन शैली की पसंद में गहराई से निहित हैं। कमजोर प्रवर्तन और सामाजिक सहनशीलता प्रदूषित करने वाली गतिविधियों की लागत को और कम कर देती है। अगर प्रदूषण सिर्फ सरकार की विफलता होती तो चीन बीजिंग को ठीक नहीं कर पाता। चीन के प्रमुख शहरों में प्रदूषण कम करने की सफलता कुछ असहज लेकिन प्रासंगिक सबक सिखाती है। बीजिंग ने प्रोत्साहनों को पुनर्निर्दिष्ट किया। प्रदूषण को महंगा बनाया और स्वच्छ विकल्पों को सस्ता। हमें भी कुछ दीर्घकालीन उपाय अपनाने की आवश्यकता है।

सुधा

बोरिंग फोन जिंदगी में भरेगा नये रंग

पूनम बिष्ट

हर घड़ी स्मार्टफोन की नोटिफिकेशंस या फॉरवर्ड मेसेज चेक करने वाली पीढ़ी के लिए आज फीचर फोन किसी डम्ब फोन जैसे हैं। पर क्या आप जानते हैं कि चलन से बाहर हो चुके ये फोन लोगों के बीच फिर से अपनी जगह बना रहे हैं। जी हां, पश्चिमी देशों में बाकायदा इन्हें प्रमोट भी किया जा रहा है। अमेरिका में इस साल 28 लाख फीचर फोन तो यूरोप में बीस लाख ऐसे फोन बिकने की उम्मीद है। हाल में नोकिया कंपनी का अपने पुराने फीचर फोन 3210 के नए वर्जन को लॉन्च करना इसी का सबूत है। हां, फीचर फोन अब बेहतर कैमरे के साथ और 4 जी कनेक्टिविटी के साथ आ रहे हैं। तो सवाल यह है कि गुजरे दौर की चीज आखिर कैसे कमबैक कर रही है, तो जवाब यह है। आज के युवा सोशल मीडिया फीड से इतने उकता गए हैं कि वो डिजिटल डिटॉक्स यानी डिजिटल डिवाइस के इस्तेमाल से ब्रेक लेना पसंद कर रहे हैं। फीचर फोन उन्हें ऐसा ही ब्रेक दिलाते हैं। कोविड के लंबे दौर में युवा आबादी कई तरह की मानसिक चुनौतियों से रूबरू हुई, जिसने उन्हें मेंटल हेल्थ के बारे में सोचने पर मजबूर किया। एचएमडी कंपनी के टॉप मैंगल हेल्थ के बारे में सोचने पर मजबूर किया। एचएमडी कंपनी के टॉप एफसर एडम फर्ग्युसन का कहना है। हमारे पास आ रहा डेटा बताता है कि 16 से 34 साल की उम्र तक की पीढ़ी सोशल मीडिया से दूरी बनाना चाहती है। दिन में सिर्फ एक घंटे के लिए ही सही, वह नोटिफिकेशंस से दूर जाना चाहती है। न्यूजीलैंड बेस्ड स्टार्टअप कंपनी बोरिंग फोन शियोमी के ऐसे कस्टमाइज्ड फोन बेचती है, जिसमें इंटरनेट ब्राउजर, सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम्स इंस्टॉल नहीं होते। इस कंपनी के को-फाउंडर एलेक्स डेविडसन का कहना है कि हमारी इस तरह की डिवाइस में उन पैरेंट्स ने बहुत रुचि दिखाई, जिनके बच्चे उस उम्र के हैं, जो उनसे स्मार्टफोन मांगते हैं। हमारे पास आ रहा डेटा बताता है कि इंटरनेट से लोड हुआ फोन देने में फिफ्टेन महसूस कर रहे हैं। मोबाइल वर्ल्ड लाइव से बातचीत में वह बताते हैं, पैरेंट्स के अलावा हमारे कस्टमाइज फोन में 35 से ऊपर की उम्र के लोग भी रुचि ले रहे। ये ऐसे लोग हैं जो अपने फोन पर चिपके रहने की खुरद को आदत से परेशान हैं। कम उम्र में ही स्मार्टफोन इस्तेमाल करने से स्वभाव पर क्या असर होता है यह टेलिग्राफ डॉट यूके से बातचीत में जो कैप्टियन नाम की एक महिला ने बताया। उन्होंने बताया कि मैंने अपने दस साल के बेटे को फीचर फोन दिया तो वह नाराज नहीं हुआ, क्योंकि वह अपनी क्लास में देख रहा था कि स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वाले उसके क्लासमेट्स का बर्ताव और भाषा सोशल मीडिया की वजह से कितनी खराब हो चुकी हैं। हां यह जरूर है कि स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वाले को फीचर फोन थकाऊ लग सकता है, पर जिंदगी में डिजिटल डिटॉक्स चाह रहे लोगों की जिंदगी में क्या पता यही बोरिंग फोन खुशियों के रंग भर दें।



शैलेन्द्र पांडेय

स्मार्टफोन की वजह से डिजिटल इकॉनमी आगे बढ़ी और इसने पूरी दुनिया का चेहरा बदलकर रख दिया, खासकर भारत एक उदाहरण बनकर उभरा है। वढकजैसे इनोवेशन ने आम भारतीय को मजबूत बनाया है और रियल टाइम पेमेंट को इतना सरल कर दिया है, जिसकी कल्पना सामान्य बैंकिंग सिस्टम से नहीं की जा सकती थी।

विकास क्रम में ईंसानों को अपनी पहली प्रजाति Sahelanthropus tchadensis से दूसरी प्रजाति Orrorin tugenensis तक पहुंचने में लगभग 10 लाख साल लगे। इतना वक्त लग गया हमें पेड़ों से उतरकर जमीन तक पहुंचने में। इवॉल्यूशन में यह जितना अहम बदलाव था, लगभग उतना ही अहम बदलाव हमें फिर देखने को मिला, लेकिन इस बार उसमें तीन दशक भी नहीं लगे।

स्मार्टफोन जेनरेशन

पिछले 27 बरसों में पीढ़ी बदल चुकी है और 1997 से 2009 के बीच जन्मी जेनरेशन की वह पहली पीढ़ी है, जिसका बचपन छूटा तो हाथ में सीधे स्मार्टफोन और इंटरनेट आ गया। यह ईंसानों की पहली पीढ़ी है, जिस पर रियल से ज्यादा वर्चुअल दुनिया में अपनी इमेज की चिंता है, जो ऑनलाइन ब्रैंडिंग पर समय लगाती है और जिसने स्क्रीन को सच माना हुआ है। ‘The AQuxious Geaeration के मुताबिक, ईंसान जिस तरह से इवॉल्व होकर यहां तक पहुंचा है, मौजूदा जेनरेशन उससे बिल्कुल अलग तरह आगे बढ़ रही है।

जीवन पर कब्जा

जब तक फोन केवल फोन था, तब तक



कुलभूषण उपमन्यु

अत्यधिक संसाधन दोहन और दुरुपयोग को नियंत्रित करने के लिए यूज एंड थो उत्पाद पद्धति को बदल कर टिकाऊ और मुरम्मत किये जाने योग्य उत्पाद बनाने होंगे। बेकार पदार्थों और कचरे के पुनः चक्रीकरण की व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करना संसाधनों के अत्यधिक दोहन को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। वायु प्रदूषण को रोकना और पारिस्थितिक तंत्र को बचाना और पुनर्जीवित करने पर जोर देना पड़ेगा।



योगेश कुमार सोनी

यह सब जानते हैं कि कोई भी प्राकृतिक व ऐतिहासिक धरोहर नष्ट या क्षतिग्रस्त अचानक नहीं होती। ऐसा होने में लंबा समय लगता है और यह खुला खेल हमेशा शासन-प्रशासन के सामने ही होता रहा है। शासन-प्रशासन को लगता है कि जनता को कुछ समझ नहीं आ रहा।

पिछली डेढ़ शताब्दी, जब से औद्योगिक क्रांति ने विकास की गति तेज की और प्रकृति को जीतने की होड़ मच गई, मशीनों ने बंधक- निर्माण- शक्ति मानव के हाथ में दे दी तब से विकास की परिभाषा भी धीरे-धीरे बदल गई। गुणात्मक जीवन के बजाय बाहुल्य को विकास माना जाने लगा। प्रकृति के साथ दुर्व्यवहार का एक अंतहीन सिलसिला आरंभ हो गया। प्रकृति के दोहन से ही बाहुल्य के लिए सामान बनाए जा सकते थे, इसलिए प्राकृतिक संसाधनों के असीमित दोहन की शुरुआत हो गई। उपनिवेशवाद के दौर में कम मशीनी शक्ति वाले देशों पर तथाकथित विकसित देशों द्वारा कब्जे किये गए और उनके संसाधनों को बेदरदी से नष्ट किया गया। सभ्य कहलाने वाले देशों द्वारा कमजोर देशों के मूल निवासियों को किस तरह प्रताड़ित किया गया और उनकी सभ्यताओं को असभ्य घोषित करके नष्ट करने का कार्य किया गया, वह अपने आप में घिनौना इतिहास है, जिसके अवशेष अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों के रूप में देखे जा सकते हैं। किन्तु यह आधुनिक सभ्यता अब अपने ही भार से भस्मासुर की तरह नष्ट होने की दिशा में बढ़ती प्रतीत हो रही है।

प्रकृति का विनाशक शक्ति बना विज्ञान का दुरुपयोग इस सभ्यता ने अपने ही मूल पर आघात करना शुरू कर दिया है। हालांकि वैज्ञानिक समझ के विकास के चलते सब गलत दिशा को समझ भी रहे हैं किन्तु विज्ञान का दुरुपयोग प्रकृति विनाशक शक्ति के रूप में किया जा रहा है। दुनिया के सबसे विद्वान वैज्ञानिकों की बहुसंख्या युद्ध विज्ञान के विकास में संलग्न कर दी गई है, क्योंकि निर्णय लेने वाले लोग तो आदिम क्रूर मानसिकता के ही वाहक बने हुए हैं, जिनके हाथ में मशीन और विज्ञान, प्रकृति एवं प्राणी समाज के साथ मनमानी करने का हथियार बन गया है। ज्ञान, सुख और शांति का वाहक बनने के बजाय युद्ध और क्रूरता का वाहक बन गया है। इस स्थिति में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के सातवें अधिवेशन में नैरोबी में प्रस्तुत की गई ग्लोबल आउटलुक 2025 रिपोर्ट पर्यावरण के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार को संरक्षित करती है और अपने तौर तरीकों पर मानव समाज को पुनर्विचार



करके संशोधित करने की दिशा दिखलाती है। जलवायु परिवर्तन, प्रकृति के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार की प्रतिक्रिया के रूप में एक बड़े खतरे के रूप में चुनौती पेश कर रहा है। मशीनीकरण को चलाए रखने के लिए जिस ऊर्जा की बड़े पैमाने पर जरूरत है, वह जीवाश्म ईंधन से पैदा की जा रही है। इस उत्पादन प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर धुआं और जहरीली गैसें उत्सर्जित होती हैं जो हरित प्रभाव पैदा करके वायुमंडल के तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि कर रही है। तापमान वृद्धि से पूरा जलवायु का संतुलन हिल गया है। कहीं अतिवृष्टि हो रही है तो कहीं अनावृष्टि हो रही है। ग्लेशियर पिघल कर समाप्त होने की ओर अग्रसर हैं जो आसन्न जल संकट का कारण बनेंगे।

1.5 डिग्री सेंटीग्रेड तक तापमान में वृद्धि रिपोर्ट के अनुसार हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन से अभी 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड तक तापमान में वृद्धि हुई है जो 2024 में 1.55 डिग्री सेंटीग्रेड हो गई है। इस गति से वृद्धि होने पर जलवायु पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है, जो आगे बढ़ता ही जाएगा यदि तापमान वृद्धि को रोकना नहीं गया तो इसके कारण जैव

विविधता पर भी बुरा असर पड़ने वाला है, जिससे 10 लाख प्रजातियों के लुप्त हो जाने का खतरा पैदा हो गया है। 120-से 40 प्रतिशत भू-भाग वैश्विक स्तर पर अनुपजाऊ होने के कगार पर है, जिससे 300 करोड़ लोग प्रभावित होंगे। जलवायु से जुड़ी भीषण घटनाओं के कारण जन-धन की भारी हानि हो रही है। आर्थिक रूप में वार्षिक 14300 करोड़ डॉलर की हानि पिछले दो दशकों से हो रही है। वायु प्रदूषण के कारण 2019 में स्वास्थ्य संबंधी आर्थिक नुकसान 8.1 ट्रिलियन डॉलर आंका गया, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था का 6.1 प्रतिशत है।

प्रति वर्ष 1.5 ट्रिलियन डॉलर की आर्थिक हानि 90 लाख मौतें प्रदूषण संबंधी कारणों से हुईं। 80 हजार लाख टन प्लास्टिक कचरा फैला हुआ है, जिससे गंभीर रासायनिक तत्वों से संपर्क हो रहा है और इससे 1.5 ट्रिलियन डॉलर की आर्थिक हानि प्रति वर्ष हो रही है। नैनो प्लास्टिक तत्व मनुष्य शरीर तक पहुंच कर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा कर रहे हैं। अनुमान है कि यदि 2040 तक तापमान वृद्धि दो डिग्री सेंटीग्रेड तक पहुंच गई तो जलवायु परिवर्तन के कारण पारिस्थितिक-व्यवस्था का

अरावली पर्वत श्रृंखला : प्राकृतिक धरोहर को संभालना होगा

राजस्थान में अरावली पर्वत श्रृंखला (अरावली की पहाड़ियां) इन दिनों राजनीतिक जंग का मैदान बनी हुई हैं। अरावली को सब अपने-अपने हिसाब से परिभाषित कर रहे हैं। इस पर जबरदस्त विवाद छिड़ा हुआ है। भाजपा कह रही है कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जो ह्रस्व अरावलीह्र्म कैपेन चला रहे थे, उनकी कार्यकाल में अरावली 100 मीटर की परिभाषा की सिफारिश की गई थी और हमने वो ही किया। हमें पहले यह समझना चाहिए कि अरावली भारत की रीढ़ है जो चार राज्यों से गुजरती है। यह उत्तर-पश्चिम भारत में लगभग 670 किलोमीटर लंबी मानी जाती है। यह दिल्ली के पास से शुरू होकर दक्षिण हरियाणा और राजस्थान के अंदर तक जाती है और फिर गुजरात में अहमदाबाद के आसपास के मैदानों तक पहुंचती है। भूगोलविद् सीमा जालान बताती हैं कि अरावली 67 करोड़ वर्ष पुरानी पर्वतमाला है और यह नहीं होती तो उत्तर भारत की जाने कितनी नदियां नहीं होतीं। जाने कितने जंगल, कितनी वनस्पतियां, कितने बहुमूल्य धातु और कितने इकोलॉजिकल वैभव नहीं होते।

विशेषज्ञों के अनुसार, अरावली केवल जीव-जंतुओं के लिए ही नहीं बल्कि ईंसानों के लिए भी जीवनरेखा है। केंद्र सरकार ने 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली घोषित किया है और इस पर उच्चतम न्यायालय ने इस पर अपनी मुहर लगा दी। इसके अलावा हरियाणा सरकार के हस्तक्षेप



करने का कारण यह है कि अरावली का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा उसके अधिकार क्षेत्र में आता है और बाकी हिस्सा राजस्थान में है। कुछ लोग कह रहे हैं कि बीते कई वर्षों से अरावली में चोरी-छुपे खनन हुआ है और 100 मीटर की परिभाषा काकोई औचित्य नहीं है। कांग्रेस का आरोप है कि देश में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है, वहीं केंद्र सरकार अरावली जैसी प्राकृतिक दीवार को कमजोर करने का काम कर रही है। उच्चतम न्यायालय में केंद्र सरकार की पैरवी भाजपा शासित चारों राज्यों की सरकारों ने की, जिससे सरकार की मंशा साफ नजर आती है। पहले ही अरावली में बड़े स्तर पर अवैध खनन हो रहा है। बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हो रहा है, ऐसे में कैसे बचेगी

अरावली और कैसे बचेगा पर्यावरण?

यह सब जानते हैं कि कोई भी प्राकृतिक व ऐतिहासिक धरोहर नष्ट या क्षतिग्रस्त अचानक नहीं होती। ऐसा होने में लंबा समय लगता है और यह खुला खेल हमेशा शासन-प्रशासन के सामने ही होता रहा है। शासन-प्रशासन को लगता है कि जनता को कुछ समझ नहीं आ रहा। यह कहने में संकोच नहीं कि अन्य देशों की अपेक्षा पर्यावरण व प्राकृतिक धरोहरों को बचाने में संभालने में हम उतने सक्षम नहीं हैं, जितने की हमें जरूरत हैं। दरअसल बात यह है कि लगातार बढ़ रही जनसंख्या को व्यवस्थित करने के लिए हम पर्यावरण व धरोहरों का विनाश करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाते हुए और हाई टेक दुनिया का

अपूर्णीय विनाश हो सकता है, जिससे बड़े पैमाने पर विस्थापन होगा। अर्थव्यवस्थाएं चौपट हो सकती हैं और बेरोजगारी, गरीबी, और अस्थिरता बढ़ेगी। उपजाऊ जमीनों के नष्ट होने से भूख, विविधता विनाश, पौष्टिक आहार की कमी, अकाल और सामाजिक असंतोष के हालात बनेंगे।

हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन में करनी होगी भारी कटौती

इस स्थिति से निपटने के लिए तत्काल गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। किन्तु जलवायु नियंत्रण समझौतों के विषय में बहुत से देश विमुखता दिखा रहे हैं, जो मान भी रहे हैं वे भी हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन में कटौती के लिए स्व घोषित लक्ष्य ही मानने तक सीमित रहना चाहते हैं। इस स्थिति से बाहर निकल कर कुछ आवश्यक कदम उठाने होंगे, खासकर हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन में भारी कटौती करनी होगी, जिसके लिए कार्बनमुक्त ऊर्जा विकल्पों की ओर मुड़ना होगा। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, हाइड्रो काइनेटीक ऊर्जा आदि विकल्प उपलब्ध और विकसित करने होंगे। पेट्रोल, डीजल पर दी जा रही सब्सिडी को हरित ऊर्जा की ओर मोड़ना पड़ेगा। अत्यधिक संसाधन दोहन और दुरुपयोग को नियंत्रित करने के लिए यूज एंड थो उत्पाद पद्धति को बदल कर टिकाऊ और मुरम्मत किये जाने योग्य उत्पाद बनाने होंगे। बेकार पदार्थों और कचरे के पुनः चक्रीकरण की व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करना संसाधनों के अत्यधिक दोहन को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। वायु प्रदूषण को रोकना और पारिस्थितिक तंत्र को बचाना और पुनर्जीवित करने पर जोर देना पड़ेगा। जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करने के लिए जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने के साथ-साथ जलवायु अनुकूलन की विधियां तलाशनी होंगी। परिवर्तन के कारण होने वाले भारी प्रदूषण से निपटने के लिए टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आरामदायक बनाते हुए विकसित करना पड़ेगा। समस्याएं तो आती ही रहेंगी किन्तु समाधान के लिए प्रकृति आधारित हल प्राथमिकता से ढूँढे जाएं तो हालात सुधरने में मदद जरूर मिलेगी।

(लेखक, हिमालय नीति अभियान के अध्यक्ष और पर्यावरणविद् हैं।)

निर्माण करना गलत नहीं है लेकिन मानव जीवन की सबसे अहम व मूलभूत जरूरतों को दरकिनार करके तरक्की करना अपराध सा लगता है। प्रदूषण हमारा सबसे बड़ा दुश्मन बना हुआ है। इसका कारण भी धरोहरों को नष्ट करना है। देश की तरक्की व जनता की जरूरत के लिए ऐसे मुद्दों की गंभीरता न समझना मानव जीवन पर ही भारी पड़ रहा है। मनुष्य की शहरीकरण की भूख ने प्रकृति को इतनी हानि पहुंचा दी कि उसको यह मालूम ही नहीं पड़ा कि वो कब काल के गर्भ में प्रवेश कर गया। यदि महानगरों की जीवनशैली की चर्चा करें तो पिछले दो दशकों में हम आधे से होने वाली मौतों के आंकड़े ने चौंका दिया। मनुष्य की आयु का घटना लगातार जारी है। ईंसान की उम्र करीब 100 वर्ष होती थी लेकिन आज के दौर में साठ साल पर आकर सीमित रह गईं। वैज्ञानिकों के अनुसार, लगातार हो रही आपदाओं के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बेतहाशा इस्तेमाल जिम्मेदार है। उनका मानना है कि आज हमारी धरती अपने भार से कहीं अधिक भार वहन कर रही है। अगर यही हाल रहा तो अगले कुछ वर्ष बाद ही धरती रहने लायक नहीं बचेगी। मनुष्य अब भी सही राह पर चलने लगे तो वह अपना भविष्य सुधार सकता है। पर्यावरणविद् मानते हैं कि अगर इस परिभाषा को स्वीकार कर लिया जाए, तो अरावली के 90 फीसदी इलाके खनन के लिए खुल जाएंगे, जिससे आने वाले समय में भूगर्भ का खनन और बढ़ेगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संतुलन की जरूरत...स्मार्टफोन को समझने में क्यों चूक गये



JoQathan Haidt अपनी किताब The Anxious Generation में लिखते हैं कि 2010 से 2015 के दौरान दुनियाभर में युवाओं में चिंता, अवसाद और यहां तक कि आत्महत्या की प्रवृत्ति भी तेजी से बढ़ी है। वह अमेरिका का उदाहरण देते हैं कि वहां ऐसे टीनएजर्स की संख्या 150% तक बढ़ गई है, जो लंबे अरसे के लिए दुख और डिप्रेशन में धिर जाते हैं। कोविड के बाद से यह समस्या ज्यादा गंभीर हुई है। हालांकि इसकी शुरुआत महामारी के पहले ही हो चुकी

थी।

चौंकाने वाली रिपोर्ट

मेटा की ओर से इंस्टाग्राम को लेकर कराई गई एक स्टडी की रिपोर्ट अमेरिकी Frances Haugen के हाथ लगी थी। इसमें कंपनी ने माना था कि इंस्टाग्राम से टेंशन और डिप्रेशन बढ़ रहा है। मानवीय रिश्तों पर स्मार्टफोन के असर को लेकर करीब दो साल पहले, दिसंबर 2022 में एक और स्टडी हुई थी। इसके मुताबिक, 67% ने स्वीकार किया कि साथी के

साथ होते हुए भी वे स्मार्टफोन पर बिजी रहते हैं। 89% ने माना कि वे अपने जीवनसाथी के साथ जितना वक्त बिता सकते हैं, उतना नहीं बिताते।

स्मार्टफोन पूरी तरह खलनायक तो नहीं

नुकसान के सबूत नहीं लेकिन, इसके बाद भी स्मार्टफोन पूरी तरह खलनायक तो नहीं। साइकोलॉजिस्ट Pete Etchells अपनी किताब ‘Unlocked’ में बताते हैं कि डिजिटल डिवाइस के नुकसान को लेकर सबूत बहुत कम हैं। स्मार्टफोन की वजह से डिजिटल इकॉनमी आगे बढ़ी और इसने पूरी दुनिया का चेहरा बदलकर रख दिया, खासकर भारत एक उदाहरण बनकर उभरा है। वढक जैसे इनोवेशन ने आम भारतीय को मजबूत बनाया है और रियल टाइम पेमेंट को इतना सरल कर दिया है, जिसकी कल्पना सामान्य बैंकिंग सिस्टम से नहीं की जा सकती थी। एक अनुमान के मुताबिक, 2026 तक देश की ऋद्धि में डिजिटल इकॉनमी का योगदान 20% तक हो सकता है। 2028 तक भारत की डिजिटल इकॉनमी एक ट्रिलियन डॉलर की हो जाएगी।

ई-कॉमर्स को बढ़ावा

स्मार्टफोन के ही सहारे ई-कॉमर्स का

बाजार आगे बढ़ रहा। ऐमजॉन स्मार्टफोन के चलते ही दुनिया की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी बनी। पूरी दुनिया में इस साल के अंत तक रिटेल ई-कॉमर्स का व्यापार 4.1 ट्रिलियन डॉलर के पार होने का अनुमान है। टेक्नालजी ने हमें FAANG Stocks दिए यानी फेसबुक, एमेजॉन, एपल, नेटफ्लिक्स और गूगल। इनकी कुल मार्केट वैल्यू 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा हो चुकी है।

सिखाने का टूल

TRAI का इस साल मार्च तक का डेटा बताता है कि भारत में लगभग 120 करोड़ टेलिकॉम सब्सक्राइबर हैं, जबकि इंटरनेट सब्सक्राइबर्स की संख्या 95.4 करोड़ हो चुकी है। डिजिटलीकरण ने शिक्षा और जागरूकता फैलाने में मदद की है। आज स्मार्टफोन के बिना दुनिया चल नहीं सकती। यह सीखने का सबसे बड़ा प्लैटफॉर्म है।

अति गलत

समस्या स्मार्टफोन के हद से ज्यादा इस्तेमाल करने में है। बौद्ध धर्म कहता है कि किसी से आसक्ति भी दुख का कारण है और गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं, नात्यश्नतस्तु योगोऽस्ति न चैकान्तमनश्नतः। न चाति स्वप्नशीलस्य जाग्रतो नैव चार्जुन॥

सिंगल यूज प्लास्टिक पर सख्ती, एक दुकान सील, आठ दुकानों से 12 हजार जुमानां



हरिहरगंज पलामू/नगर पंचायत हरिहरगंज के शहरी क्षेत्र में सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ सोमवार को सख्त अभियान चलाया गया। सिटी मैनेजर नजीबुल्लाह अंसारी के नेतृत्व में नप प्रशासन की टीम ने विशेष जांच अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाली दुकानों पर कार्रवाई की। जांच के क्रम में संतोष कुमार की पटल दुकान में सिंगल यूज प्लास्टिक पाए जाने पर दुकान को तत्काल सील कर दिया गया। वहीं आठ अन्य दुकानों में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग व बिक्री करते पाए जाने पर कुल 12 हजार रुपये का जुमाना वसूला गया। जुमानां राजेश कुमार, सत्येंद्र कुमार, सतीश पटल दुकान, मोहम्मद जमालुद्दीन किराना दुकान, कुलदीप कुमार, रोशन कुमार, गौतम कुमार, सोनू कुमार व परी इंटरप्राइजज पर लगाया गया। सिटी मैनेजर ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण व स्वच्छता को लेकर सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध है और आगे भी अभियान जारी रहेगा। उन्होंने दुकानदारों व आम लोगों से कपड़े व कागज के थैले के उपयोग की अपील की। इधर, समाजसेवी राजीव रंजन ने दुकानदारों की ओर से छतरपुर एसडीओ आशीष गंगवार से दूरभाष पर बात कर कार्रवाई से पहले 15 दिनों की मोहलत देने की मांग रखी। एसडीओ ने कार्रवाई की जानकारी नहीं होने की बात कहते हुए संबंधित पक्षों से बात करने का आश्वासन दिया।

हुसैनाबाद थाना क्षेत्र में गश्ती के दौरान अवैध सिप्रट बरामद, वाहन जप्त



मेदिनीनगर पलामू/ अहले सुबह गश्ती के दौरान करीब 04:00 बजे हुसैनाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत दमवार रोड, कामत के पास पुलिस टीम द्वारा एक सफेद रंग की बोलरो वाहन (पंजीयन संख्या BR01 PA 3329) को स्टिथ अवस्था में रोका गया। जांच के दौरान उक्त वाहन में 08 गैलन स्पिट लदा पाया गया। पुलिस को देखते ही वाहन चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। मौके से वाहन एवं अवैध स्पिट को जप्त कर थाना लाया गया है। इस संबंध में हुसैनाबाद थाना में अग्रिम विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है तथा फरार चालक की पहचान एवं गिनफापी हेतु छानबीन जारी है। पुलिस द्वारा अवैध कारोबार के विरुद्ध सतत एवं कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

वनभोज सह मिलन समारोह का किया गया आयोजन

मे दिनीनगर पलामू/ पांकी प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत के सुप्रिड बुढ़ाबार के युवाओं द्वारा वनभोज सह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिखा आपसी समन्वय, एकजुटता और सौहार्द का अनुठा संगम। बुढ़ाबार के युवाओं की ओर से प्राकृतिक सौंदर्य और देम से परिपूर्ण तिलोईया डेम (वन) में वनभोज सह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में गांव सभी ग्रामिणों के साथ साथ समाजसेवी शैलेन्द्र कुमार सिंह जी की भी गरिमाययी उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम की महत्ता और बढ़ गई। वनभोज कार्यक्रम में ग्रामिणों के दौरान विभिन्न प्रकार के लजीज व्जंजनों का व्यवस्था आनंद लिया। युवाओं के द्वारा हरेक पहलू का ख्याल रखा गया। साथ ही आपसी संवाद विचार-विमर्श और मनोरंजन के माध्यम से आपसी संबंधों को और मजबुत किया गया। डीजे की मधुर धुनों पर कुछ युवा साथियों ने जमकर नृत्य किया, जिससे पूरा वातावरण उत्सास और उमंग से भर उठा। इस अवसर पर समाज सेवी श्री सिंह ने कार्यक्रम की सराहना करते हुआ कहा कि इस तरह के आयोजन से आम जनों में आपसी भाईचारे, सहयोग और एकजुटता को मजबूती मिलती है। श्री सिंह ने कहा कि अति व्यस्त और चुनौतीपूर्ण माहौल में ऐसे आयोजन मानसिक स्फूर्ति प्रदान करते है तथा लोगों के अंदर नई ऊर्जा का संचार होता है।कार्यक्रम में करीब 150 से 155 लोग उपस्थित हुए। सभी ने कार्यक्रम को सफल और यादगार बनाया। भविष्य में भी इस तरह के सामाजिक, सांस्कृतिक और संगठनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ताक़ी हमसबों के बीच आपसी समन्वय और सहयोग को और सशक्त बनाया जा सके। कार्यक्रम में डॉ.गणेश कुमार सिंह,अजगुर सिंह, मट्टुकधारी सिंह, रासबिहारी सिंह, रविशंकर सिंह, गुप्ता सोनी, सुनील सिंह, उदाय सिंह, सतीश राज बल्लू, सोनी सिंह, परीखन सिंह,सोमर सिंह, भोला सिंह, बजरंग सिंह, लाल्लू पट सिंह , राकेश सिंह, बिक्रम कुमार सिंह, बिनोद सिंह, बबलू कुमार, सूरज सोनी, राजा सोनी, मिलन सोनी, श्रीकांत प्रजापति, सूर्यप्रकाश कुमार, रंजीत कुमार, विकास कुमार, मौसम कुमार, बबो कुमार सहित अनेकों लोग उपस्थित थे।

एसपी के निर्देश पर ड़िक एंड ड़ाइव अभियान, 11 बाइक जब्त



अनराज्यीय चेक पोस्ट पर विशेष ड़िंक एंड ड़ाइव जांच अभियान चलाया गया. अभियान के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कड़ी निगरानी रखी गयी. जांच के क्रम में नियमों का उल्लंघन करते पाए गए 11 बाइक चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गयी. पुलिस ने सभी संबंधित वाहनों को जब्त कर अग्रैतर कानूनी प्रक्रिया शुरु कर दी है. पुलिस इस्पेक्टर सह थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि नववर्ष के अवसर पर सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाने एवं आम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह अभियान चलाया गया. उन्होंने कहा कि आगे भी ऐसे सघन जांच अभियान लगातार जारी रहेंगे, ताकि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके.

जपला सीमेंट मजदूरों का बकाया वेतन लिक्विडेटर पहले दिलाने का काम करे, रघुराई यादव

हुसैनाबाद पलामू: जपला सीमेंट फैक्ट्री इस संबंध जपला लेबर यूनियन के कार्यकारी महामंत्री रघुराई यादव ने कहा की 2018में फैक्ट्री नीलामी के बाद लिक्विडेटर ने कहा था की पहले मजदूरों का बकाया वेतन भुगतान किया जाएगा, लेकिन लिक्विडेटर ने फैक्ट्री के सारे मशीनरी और पाटर्स पुर्जा को को बेचवा दिया सिर्फ जिम्सअप और कुछ स्टैक्सचर छोड़ दिया गया, इसके बावजूद भी मजदूरों का भुक्तान नहीं हुआ अब सूत्रों से जानकारी मिली है की लिक्विडेटर क्वार्टर में रह रहे मजदूरों के क्वार्टरों को खाली कराने का साजिश रच रहा है, अगर मजदूरों का क्वॉटर खाली हुआ तो मजदूरों का बकाया वेतन नहीं मिल पायेगा, पहले बकाया वेतन भुक्तान किया जाए , साथ ही उन्होंने पलामू सांसद बीडी राम, स्थानीय विधायक संजय कुमार सिंह यादव, पलामू के एक मात्र मंत्री राधा कृष्ण किशोर से इस मामले को गंभीरता प्रकट लेते लिक्विडेटर पर दबाव बनाने का काम करे ताकि मजदूरों की खून पसीने की कमाई उन्हें मिल सके, नहीं तो क्वॉटर खाली होने पर हजारों मजदूरों के सर से रहने का साया उठा जाएगा।

पलामू/हजारीबाग

सोन नदी पर अंतर्राज्यीय पुल निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति

पूर्व विधायक कमलेश कुमार सिंह के सतत प्रयासों से परियोजना अंतिम चरण में

नवप्रदेश/हुसैनाबाद पलामू: हुसैनाबाद-हरिहरगंज विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत झारखंड के पलामू जिला स्थित हुसैनाबाद प्रखंड के देवीरी ग्राम एवं बिहार के रोहतास जिला अंतर्गत नौहट्टा प्रखंड के देवीपुर ग्राम के बीच सोन नदी पर प्रस्तावित अंतर्राज्यीय पुल अब निर्माण की दिशा में निर्णायक चरण में पहुँच चुका है। यह उपलब्धि हुसैनाबाद के पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री कमलेश कुमार सिंह के निरंतर, तथ्यपरक एवं दूरदर्शी प्रयासों का प्रतिफल है। पूर्व मंत्री कमलेश कुमार सिंह ने इस

संयुक्त बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कृष्ण बल्लभ सहाय की जयंती 31 दिसम्बर को

नवप्रदेश/हजारीबाग : जिला काग्रिस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में 31 दिसम्बर को अपराह्न के एक बजे स्वतंत्रता सेनानी सह संयुक्त बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कृष्ण बल्लभ सहाय की 128 वीं जयंती मनाई जाएगी । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री दिपीका पाण्डेय के अतिरिक्त पूर्व मंत्री सह जिला अध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल प्रदेश कांग्रेस द्वारा बनाए गए कार्यक्रम के प्रभारी विनय सिन्हा दिपु प्रदेश उपाध्यक्ष भीम कुमार प्रदेश सचिव मनोज सहाय पिंकू मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे । उक्त कार्यक्रम की जानकारी जिला काग्रिस के मॉडिया अध्यक्ष निसार खान नें दी।

जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक संपन्न

अवैध बालू के परिवहन को रोकने को लेकर बनाये गये चेक पोस्ट को और सुदृढ़ करने के निर्देश

नवप्रदेश/मेदिनीनगर पलामू/ जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त समीरा एस की अध्यक्षता में सोमवार को जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक हुई। समाहरणालय के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में डीसी ने डीएमओ से पिछली बैठक में दिये गये निर्देशों के अनुपालन की जानकारी ली,डीएमओ सुनील कुमार ने अवैध खनन पर कार्रवाई का प्रतिवेदन उपलब्ध कराया।इस दौरान उन्होंने बताया कि नवंबर महीने में खनन विभाग स्तर से अबतक अवैध परिवहन व खनन कर रहे कुल 18 वाहनों को जब्त किया गया है साथ ही 11 लाख 32 हजार रुपये बतौर जुमानां भी वसूला गया वहीं 5 प्राथमिकी भी दर्ज की गयी है।वहीं जिला परिवहन कार्यालय के तर्फ से 12 वाहनों को जब्त कर 2 लाख 64 हजार रुपये बतौर जुमानां वसूला गया है। इसके अलावे अलग-अलग अंचलों के द्वारा की गयी कार्रवाई में 45 वाहन जब्त किये गये है जिसमें सबसे अधिक हरिहरगंज में 09 वाहन जब्त किये गये हैं। बैठक में डीसी ने पिछली बैठक के निर्णय के तर्फ से जिले में अवैध बालू के परिवहन को रोकने को लेकर बनाये गये चेक पोस्ट के कार्यों की समीक्षा की।उन्होंने डीएमओ से चेक पोस्ट से जुड़े विभिन्न पहलुओं के संबंध में जानकारी लेते हुए चेक पोस्ट को सुदृढ़ करने पर बल दिया।सभी संबंधित सीओ को अपने क्षेत्र अंतर्गत पड़ने वाले चेकपाइंट का निरीक्षण करने की बात कही।इसके अलावे डीसी ने सभी सीओ को निर्धारित बैठक से 5 दिन पूर्व खनन से जुड़ी कार्रवाई का समीकत प्रतिवेदन खनन कार्यालय को भेजने की बात कही।बैठक में डीसी द्वारा अंचल एवं थाना स्थल से अवैध परिवहन,खनन एवं भंडारण के विरुद्ध की गई कार्रवाई की समीक्षा की गयी।

रात में पुलिस बल के साथ ही छापेमारी करें:एसपी

बैठक में पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने सभी सीओ व थाना प्रभारियों का जॉइंट औचक निरीक्षण पर जोर दिया।इसके अलावे उन्होंने सभी अंचलाधिकारियों से कहा कि अगर आपके द्वारा रात में कहीं औचक निरीक्षण किया जाता है तो ऐसी स्थिति में अपने साथ पुलिस बल को साथ जरूर रखें।उन्होंने कहा कि बेहतर समन्वय रहने से किसी भी अग्रिय घटना से बचा जा सकता है।इस अवसर पर उपरोक्त के अलावे वन प्रमंडल पदाधिकारी सत्यम कुमार,उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन,अपर साहटल कुंदन कुमार,सदर एसडीओ,विभिन्न अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी,विभिन्न सीओ,विभिन्न थाना प्रभारी समेत अन्य उपस्थित थे।

20 बाल क्राटेकारों को मिला बेल्ट व प्रमाण-पत्र, प्राचार्य ने किया सम्मानित



नवप्रदेश/मेदिनीनगर पलामू संत मरियम विद्यालय (नावाटेली, डालनगंज) के कॉन्फ्रेंस हॉल में शुक्रवार को बेल्ट ग्रेडिंग में उत्तीर्ण हुए 20 बाल क्राटेकारों को बेल्ट एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। सभी सफल विद्यार्थियों को विद्यालय के प्राचार्य श्री कुमार आदर्श द्वारा सम्मानित किया गया। बेल्ट ग्रेडिंग में उज्ज्वल राज को बैंगनी बेल्ट, शुभम कुमार सिंह एवं लालडी कुमारी को ह्रीं बेल्ट प्रदान की गई। वहीं ऋतुराज, अनिकेत कुमार, अनुराग कुमार, शहजाद हसन, हर्ष मेहता, आदित्य वर्धन, युवराज को, उज्जाला कुमारी, प्रियांशु चंद्रवंशी एवं चंचल कुमार को नारंगी बेल्ट दी गई। इसके अतिरिक्त सत्यम उरांव, सूर्य प्रकाश, सचिन कुमार, सुरजीत राव, सत्यम चंद्रवंशी, नादर यादव एवं अमित कुमार को पीली बेल्ट प्रदान की गई। इस अवसर पर प्राचार्य श्री कुमार आदर्श ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि क्राटे ने केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रखता है, बल्कि आत्म-रक्षा एवं आत्मविश्वास को भी मजबूत करता है। उन्होंने बच्चों को मोबाइल से दूरी बनाकर खेलकूद एवं शारीरिक गतिविधियों में निमग्नित भागीदारी करने की सलाह दी। विशेष रूप से उन्होंने कहा कि



(झारखंड) और रोहतास (बिहार) को जोड़ने वाला अलग अंतर्राज्यीय पुल है, जिसकी दूरी निर्माणाधीन पुल से लगभग 40 किलोमीटर है। इस स्पष्टिकरण के बाद मामला गंभीरता से संज्ञान में लिया गया।

पंजाब में साइक्लिंग खेल गतिविधियों के सुचारु रूप से संचालन के लिए साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने पंजाब में एडहॉक कमेटी का किया गठन

शैलेंद्र पाठक बने चेयर मैन

नवप्रदेश/गढ़वा, पंजाब राज्य में साइक्लिंग गतिविधियों को सुचारु रूप से जारी रखने, किसी भी प्रकार की रुकावट को रोकने और खिलाड़ियों को किसी भी असुविधा से बचाने के लिए साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा एक एडहॉक कमेटी का गठन किया गया है। यह कमेटी सुनिश्चित करेगी कि खिलाड़ियों/साइक्लिस्टों को आने वाली प्रतियोगिताओं या चयन ट्रायल में किसी भी प्रकार की उल्लंघन या कठिनाई का सामना न करना पड़े। यह निर्णय सीएफआई द्वारा 25.12.2025 (गुरुवार) को

हुसैनाबाद में पुलिस गश्ती के दौरान अवैध स्पिट जप्त, चालक फरार

हुसैनाबाद पलामू: हुसैनाबाद पुलिस ने अहले सुबह करीब 4 बजे गश्ती के दौरान दमवार रोड, कामत के पास एक बोलरो (BR01 PA 3329) से 8 गैलन अवैध स्पिट जप्त की। पुलिस को देखते ही चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। वाहन जब्त कर थाना लाया गया है। मामले में हुसैनाबाद थाना में विधिसम्मत कार्रवाई जारी है तथा फरार चालक की तलाश की जा रही है। वहीं हुसैनाबाद थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने कहा कि शराब माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई शीघ्र ही की जाएगी.

दिनांक 13.03.2023 को मंत्री नितिन गडकरी द्वारा स्वयं ई-मेल के माध्यम से इस विषय को रश्कद फीीशेल्लू मानते हुए उच्च अधिकारियों को परीक्षण एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु अग्रसारित किया गया, जिसका उल्लेख VIR Management Portal पर भी दर्ज है।

इसके उपरांत परियोजना से संबंधित डीपीआर (Detailed Project Report) तैयार करने हेतु टेंडर जारी किया गया, तथा प्रस्तावित स्थल पर मिट्टी की तकनीकी जांच रैथेली अनिवार्य प्रक्रियाएँ भी पूर्ण की गईं। बाद में कमलेश कुमार सिंह ने पत्रांक-159/23, दिनांक 22.05.2023 के माध्यम से पुनः इस विषय को गति देने का अनुरोध किया तथा अंततः प्रगति के लिए

पंजाब में साइक्लिंग खेल गतिविधियों के सुचारु रूप से संचालन के लिए साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने पंजाब में एडहॉक कमेटी का किया गठन



अपनी मैनेजमेंट कमेटी की जूम बैठक के दौरान लिया गया। यह जानकारी देते हुए शैलेन्द्र पाठक, चेयरमैन-एडहॉक कमेटी (साइक्लिंग पंजाब) एवं संयुक्त सचिव-साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया, ने बताया कि एडहॉक कमेटी अपनी जिम्मेदारियों को लेकर बेहद संवेदनशील है और हम खिलाड़ी कल्याण और सेवा के प्रति

संविधान लोकतांत्रिक और समाजिक न्याय की निरंतर प्रहरी रही है कांग्रेस : शैलेश

नवप्रदेश/हुसैनाबाद पलामू: अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी के 140 में स्थापना दिवस के अवसर पर कांग्रेस पार्टी के हुसैनाबाद प्रखंड अध्यक्ष शैलेश कुमार सिंह नेतृत्व में प्रखंड कार्यालय परिसर में झंडोतोलन किया गया इस अवसर पर मुख्य रूप से भाग लेने वाले लोकतांत्रिक चेतना की ध्वजवाहक रही है मौके पर शैलेश कुमार सिंह ने कहा कि कांग्रेस की 140 वर्षों की यात्रा त्याग संघर्ष और राष्ट्र निर्माण को ऐतिहासिक गाया जाता है पार्टी के सदैव गरीबों किसानों मजदूरों दलितों आदिवासियों अल्पसंख्यकों के अधिकारियों को रक्षा के लिए आवाज उठाई है और आगे भी संविधान लोकतांत्रिक तथा सामाजिक समर्थ की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी उन्होंने कहा कि अपने संशोधन में कहा कि कांग्रेस का इतिहास राजनीति का नहीं बल्कि सेवा बलिदान और लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त करने का इतिहास है उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जब सावधानी संस्थाओं को कमजोर करने और अस्ति आवाज को दबाने का प्रयास हैतब कांग्रेस पार्टी की भूमिका और महत्वपूर्ण हो जाती है कार्यक्रम में में उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं नेताओं पार्टी के गौरवशाली इतिहास उसकी विचारधारा तथा स्वतंत्रता संग्राम से लेकर वर्तमान समय के संघर्ष में कांग्रेस के योगदान को स्मरण किया था

हजारीबाग प्रेस क्लब का चुनाव सम्पन्न, मुरारी सिंह अध्यक्ष दीपक सिंह सचिव एवं सागर कुमार बने कोषाध्यक्ष

नवप्रदेश/हजारीबाग। हजारीबाग प्रेस क्लब का चुनाव 28 दिसंबर को शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। मतदान प्रक्रिया सुबह 11 बजे प्रारंभ होकर दोपहर 3 बजे तक निरंतर चली। चुनाव में मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मतदान समाप्त होने के बाद शाम 4 बजे से मतगणना की प्रक्रिया शुरू की गई। मतगणना की शुरुआत सबसे पहले कार्यकारिणी सदस्यों के मतों की गिनती से की गई, जो लाभगम दो घंटे तक चली। इसके पश्चात क्रमवार संयुक्त सचिव, कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और अंत में अध्यक्ष पद के लिए मतगणना की गई। सभी पदों की मतगणना पूरी होने के बाद रात्रि करीब 8-30 से 9-00 बजे के बीच चुनाव परिणामों की औपचारिक घोषणा की गई। पूरी चुनाव प्रक्रिया का संचालन चुनाव संचालन समिति द्वारा किया गया। समिति के सदस्य कृष्णा गुप्ता, अजय मिश्रा, राजेश मिश्रा, अर्जुन सोनी, कौशल कुमार आदौश तथा सहयोगी के रूप में भावेश मिश्रा ने चुनाव को सुचारु एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी देखरेख में मतदान और मतगणना की प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से पूरी की गई। चुनाव परिणाम में अध्यक्ष पद पर मुरारी सिंह निर्वाचित घोषित किए गए। वहीं सचिव पद पर दीपक सिंह, उपाध्यक्ष पद पर सीतेश तिवारी कोषाध्यक्ष पद पर सागर कुमार और संयुक्त सचिव पद पर भास्कर उपाध्याय ने जीत दर्ज की। वहीं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में रवि सिंह, अपराजिता पाण्डेय, शशांक शेखर, गौरव प्रकाश, सुशांत सोनी, अभिषेक पाण्डेय, एजाज आलम, प्रदीप कुमार सिन्हा, अर्जुन टुडू एवं अजित कुमार निर्वाचित हुए। परिणाम घोषित होने के बाद विजयी प्रत्याशियों ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों से मिलकर उन्हें धन्यवाद दिया। आपसी सौहार्द और भाईचारे का यह दृश्य चुनावी प्रक्रिया की गरिमा को दर्शाता रहा। इधर, चुनाव परिणाम सामने आने के बाद जिले भर से पत्रकारों, सामाजिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ शुभचिंतकों ने सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। सभी ने नवगठित कार्यकारिणी से पत्रकार हितों की रक्षा और प्रेस क्लब को और अधिक सशक्त बनाने की

टंड से गरीब महिला की मौत, सरकार की संवेदनहीनता पर भाजपा मंडल अध्यक्ष ने उठाए सवाल

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड अंतर्गत सिंघरावा पंचायत के ग्राम टिटही में कड़ुके की टंड ने एक गरीब परिवार की जिंदगी उजाड़ दी। गांव की निवासी मीना देवी 60 वर्ष पति गाँवदे भुइयां की टंड लगने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अत्यधिक ठंड के कारण उनकी तबीयत बिगड़ी और इलाज की समुचित व्यवस्था व ठंड से बचाव के साधन न होने के कारण उनकी जान चली गई। इस घटना से पूरे गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। महिला की मौत पर मंडल अध्यक्ष राजेन्द्र चन्द्रवंशी ने गहरा खेद जताते हुए राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2025 समाप्त होने को है, लेकिन अब तक गरीब और जरूरतमंदों को कंबल उपलब्ध नहीं कराए जा सके हैं, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि हेमंत सरकार केवल लंबी-लंबी बातें करती है, जबकि जमीनी स्तर पर काम नजर नहीं आता। राजेन्द्र चन्द्रवंशी ने आगे कहा कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को पिछले दो वर्षों से छत्रवृत्ति नहीं मिली है। बच्चों को न तो जूते दिए गए हैं और न ही गर्म कपड़े, जिससे उनकी पढ़ाई और स्वास्थ्य दोनों प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं साफ तौर पर सरकार की संवेदनहीनता को दर्शाती हैं। स्थानीय लोगों ने मृतका के परिवार को मुआवजा और गरीबों के लिए अविलंब ठंड से बचाव की व्यवस्था की मांग की

शिवर हो गई। हदसा इतना भीषण था कि तीनों युवक सड़क पर काफी दूर तक सख्ते हुए जा फिर अचानक घटनास्थल पर अफस-तफसि चले गईं। इस दर्शनक दुर्घटना में संजय सिंह का 18 वर्षीय एकलौता बेटा सुमित सिंह की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। वहीं गांव कुमार पिता रंजीत सिंह और लक्की कुमार पिता जेम्स सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर एनएचआई की एम्बुलेंस से दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए चौपारण समुद्रविक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां उनकी स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है।

पहली घटना जीटी रोड बहेरा मोड़ की है, जहां तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में हेमराज यादव पिता रोहन यादव निवासी लारा लुटुदाग, थाना राजपुर, जिला चतरा मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया कि हेमराज यादव एलएनजेपी नेत्र अस्पताल बहेरा से आंख की जांच कराकर बाइक से लौट रहे थे। जैसे ही वे बहेरा मोड़ के पास जीटी रोड पर मुड़े, बरही की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार बोलरो वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी।



जिससे बाइक सवार की मौत हो गई। एलएनजेपी नेत्र अस्पताल के प्रबंधक संतोष पूरी ने इस हादसे को सड़क चौड़करण कार्य में लगी कंपनी और एनएचआई की लापरवाही का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि बहेरा मोड़ अत्यंत संवेदनशील स्थान है, जहां प्रतिदिन हजारों स्कूली बच्चे, नेत्र रोगी और आम लोग आवाजाही करते हैं,

रफ्तार

रफ्तार का कहर : जीटी रोड पर दो अलग-अलग दुर्घटना में दो की मौत, दो गंभीर घायल

नवप्रदेश/चौपारण। चौपारण क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही लगातार जानलेवा साबित हो रही है। सोमवार को जीटी रोड दनुआ घाटी और जीटी रोड बहेरा पर हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इन घटनाओं में दो युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों ही घटनाओं में रफ्तार का कहर और सुरक्षा उपायों की कमी प्रमुख कारण के रूप में सामने आई है।

मंधाना ने 10,000 रन पूरे कर मिताली का रिकार्ड तोड़ा



त्रिवेंद्रम।

भारतीय महिला क्रिकेट की अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने यहां श्रीलंका के खिलाफ हुए चौथे टी20 मैच में अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान दो बड़े रिकार्ड भी अपने नाम किये है। इस मैच में मंधाना ने अपनी 80 रनों की पारी के दौरान ही 10,000 रन पूरे किये। वहीं मंधाना ये आंकड़ा सबसे तेजी से हासिल करने वाली पहली क्रिकेटर बन गई हैं। मंधाना ने जैसे ही अपने 27 रन बनाये वह 10000 रन बनाने वाली क्रिकेटर बन गयीं।

महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इतने रन बनाने वाली वह चौथी खिलाड़ी है। इससे पहले भारत की मिताली राज, न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स और इंग्लैंड की शार्लोट एडवर्ड्स ने ही इतने रन बनाये थे। इसी के साथ ही मिताली राज का सबसे तेज 10000 रनों का रिकार्ड भी टूट गया। मंधाना ने अपने दस हजार रन 281 अंतरराष्ट्रीय मैचों में बनाये जबकि मिताली ने ये रन 291 मैचों में बनाये थे। इसी के साथ वह महिला क्रिकेट में सबसे तेजी से 10,000 रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। वहीं इस मैच में तीन छक्के लगाते ही उनके कुल 78 छक्के हो गये हैं और वह सबसे अधिक छक्के लगाने वाली भारतीय खिलाड़ी बन गयी है। इससे पहले भारत की ओ से कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 186 ळ20कमैचों में कुल 78 छक्के लगाए थे। हरमनप्रीत ने 186 टी20 मैचों में कुल 78 छक्के लगाए थे। वहीं मंधाना ने केवल 157 टी20कमैचों में ही 80 छक्के लगा दिये। इससे वह भारतीय महिला टी20 क्रिकेट में छक्के लगाने के मामले में शीर्ष पर पहुंच गयी हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी : गोवा के खिलाफ मैच में खेलते नजर आयेंगे यशस्वी



नई दिल्ली । युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल अब विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में बल्लेबाजी करते दिखेंगे। यशस्वी श-र्दुल ठाकुर की कप्तानी वाली मुंबई टीम की ओर से 31 दिसंबर को गोवा के खिलाफ मैच में खेलते हुए नजर आयेंगे। मुंबई क्रिकेट संघ के एक अधिकारी के अनुसार

यशस्वी पेट की तखलीफ के कारण शुरूआती दो मैचों से वार रहे थे। यशस्वी को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी सुपर लीग मैच के बाद पेट में दर्द के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था जिसके कारण उन्हें एक सप्ताह का आराम दिया गया था। प्राप्त जानकारी के वह 31 दिसंबर को गोवा के खिलाफ मैच खेलेंगे। विजय हजारे ट्रॉफी में अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा शुरूआती दो मुक़ाबलों में सलामी बल्लेबाज के तौर पर नजर आए थे। वहीं अब यशस्वी उनकी जगह पारी की शुरूआत करेंगे। वह अन्य मैच भी खेल सकते हैं। इसके बाद भारतीय टीम को 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलनी है जिसमें उन्हें अवसर मिल सकता है। .

यशस्वी ने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में नाबाद 116 रन की पारी खेली थी. इसके बाद उन्होंने 14 दिसंबर को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हरियाणा के खिलाफ 101 रन बनाए थे।

रोहित और विराट इस कारण विजय हजारे ट्रॉफी के तीसरे दौर में नहीं उतरे



मुम्बई ।

विजय हजारे ट्रॉफी के तीसरे दौर के मुक़ाबल सोमवार से शुरू हुए हालांकि इसमें अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहजी और रोहित शर्मा नहीं उतरे। विराट और रोहित ने शुरूआती दोनो ही दौर में दिल्ली और मुंबई की ओर से खेला था। दिल्ली तीसरे दौर के मैच में सौराष्ट्र, वहीं मुंबई की टीम छत्तीसगढ़ के खिलाफ उतरी। विराट ने दिल्ली के लिए अपने दो मैचों में काफी रन बनाये। आंध्र प्रदेश के खिलाफ उन्होंने 131 जबकि गुजरात के खिलाफ 77 रन बनाये। दूसरी ओर रोहित शर्मा ने सिक्किम के खिलाफ 155 रन बनाये पर उत्तराखंड के खिलाफ वह शून्य पर ही आउट हो गये। रोहित और विराट इस मैच में खेलने इसलिए नहीं उतरे क्योंकि शुरूआत में ही दोनो ने दो-दो मैच खेलने की बात कही थी। दोनो को ही क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेलू क्रिकेट खेलने को कहा था। इन दोनों दिग्गजों ने केवल दो मैचों खेलने पर सहमति दी थी जो पूरे हो गये, इसलिए ये तीसरे मैच में नहीं उतरे। ये अब विराट और रोहित पर निर्भर करता है कि वो इस टूर्नामेंट में आगे खेलते है या नहीं। अगले साल की शुरूआत में 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम को 3 मैचों की घरेलू एकदिवसीय सीरीज खेलनी है, ऐसे में अगर ये दोनो ही विजय हजारे ट्रॉफी के और मैचों में खेलते हैं तो इन्हें अभ्यास का अच्छा अवसर मिल सकता है। इसी को देखते हुए कोहली 6 जनवरी को रेलवे के खिलाफ होने वाले मुक़ाबले में दिल्ली की ओर से खेल सकते हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित के अब विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई की ओर से आगे खेलने की संभावना नहीं है। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या को न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में आराम दिया जा सकता है हालांकि ये दोनो टी20 सीरीज में खेलेंगे

आईपीएल 2026 में मार्कराम पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली ।

दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज एडेन मार्कराम ने कहा है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग 2026 सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से बेहतर प्रदर्शन का पूरा प्रयास करेंगे। मार्कराम 2025 सत्र में भी सुपर जायंट्स के साथ थे और उनका कहना है

कि फ्रैंचाइजी के उन्होंने टीम में बनाये रहने से वह बेहद खुश हैं। मार्कराम ने गत सत्र में 13 मैचों में 34.23 की औसत और 148.83 के स्ट्राइक रेट से 445 रन बनाए थे जिसमें 5 अर्धशतक भी शामिल थे। इसके अलावा उन्होंने चार विकेट भी लिए थे। इसी कारण उन्हें टीम ने अपने साथ रखा है। ।

स्टार्क डब्ल्यूटीसी सत्र में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने



मेलबर्न ।

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने इंग्लैंड के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में दो विकेट लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। अब स्टार्क इस साल विक् टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यू-टीसी) 2025-27 सत्र में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गये हैं। अभी तक इस साल डब्ल्यूटीसी में सबसे अधिक विकेट भारत के में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के नाम पर थे। वहीं अब सिराज दूसरे नंबर पर खिसक गये हैं। स्टार्क पेसर स्टार्क ने डब्ल्यूटीसी 2025-27 में अब तक 7 मैचों की 14 पारियों में 41 विकेट लिए हैं। वहीं सिराज ने 9 टेस्ट मैचों में 39 विकेट अपने नाम किये हैं। स्टार्क ने अब तक इस एंशेज 2025-26 सीरीज में सबसे अधिक विकेट लिए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैचों में उन्होंने 26 विकेट लिए हैं। स्टार्क ने अब तक 53 टेस्ट मैचों में 217 विकेट अपने नाम किए हैं।

बॉक्सिंग डे टेस्ट दो दिनों में समाप्त होने से क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को हुआ करोड़ों का नुकसान

मेलबर्न ।

यहां एंशेज सीरीज का चौथा क्रिकेट टेस्ट मैच दो दिनों के अंदर खत्म होने के बाद जहां पिच पर सवाल उठे हैं। वहीं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) को भी भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। इससे पहले से ही घाटे में जा रहे सीएक की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम को चार विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले तीन टेस्ट जीते हैं जिससे एंशेज सीरीज पहले ही उसने जीत ली है। साल 2024-25 वित्तीय वर्ष सीए के लिए खास अच्छा नहीं रहा। भारत के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में भी उसे तकरीबन 68.05 करोड़ का घाटा हुआ। 2025-26 एंशेज सीरीज से उसे लाभ में रहने



मार्करम ने कहा, मैंने पिछले साल लखनऊ फ्रैंचाइजी के साथ अपने समय का भरपूर आनंद लिया। मैंने साथी खिलाड़ियों से बहुत अच्छी दोस्ती की और टीम के साथ कुछ महीने बिताए। इसलिए मुझे रिटेन किए जाने पर बहुत खुशी है और निश्चित रूप से उनके साथ एक और सत्र

खेलने के लिए उत्साहित हूं। उनसे यह भी पूछा गया कि टूर्नामेंट के इस सत्र वह किस प्र-कार का प्रदर्शन करना चाहेंगे। जिस पर उन्होंने कहा, आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आपको एक टीम के रूप में वास्तव में अच्छा होना होगा। मुझे नहीं लगता कि हम पिछले सत्र में

आईपीएल 2026 के लिए केकेआर ने वाटसन को जोड़ा

कोलकाता ।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सहायक कोच की जिम्मेदारीद निभाते नजर आयेंगे। वह इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के साथ जुड़े हुए थे।

अब वह मुख्य कोच अभिषेक नायर के साथ काम करेंगे। वॉटसन ने अपने करियर में 59 टेस्ट, 190 एकदिवसीय और 58 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं। वॉटसन आईपीएल में एक बेहतरी खिलाड़ी रहे हैं, जिन्होंने 12 सत्र खेले हैं। उन्होंने 2008 में राजस्थान रॉयल्स को आईपीएल के पहले सीरीज में शानदार जीत दिलाई थी। केकेआर ने सोशल मीडिया में वॉटसन को सहायक

बहुत पीछे थे। यहां-वहां कुछ पल और कुछ परिणाम अलग दिखते। इससे पहले कि आप कुछ समझ पाते, आप नॉकआउट के लिए क्वालीफाई कर चुके होते हैं। इसलिए निश्चित रूप से किसी भी चीज को ज्यादा कठिन नहीं बनाना चाहिए। मुझे लगता है कि हमने जो चीजें अच्छी कीं, उन्हें फिर से करने की कोशिश करें और कुछ और महत्वपूर्ण क्षण जीते। इससे पहले कि आप जानते हैं, मुझे लगता है कि प्रतियोगिता हमारे लिए वास्तव में आशाजनक है। आईपीएल में हालांकि टीम को उम्मीद के अनुसार परिणाम नहीं मिले। ऋषभ पंत ने कप्तान के रूप में पद संभाला, जहीर खान टीम के संरक्षक थे। फिर भी, टीम प्लेऑफ से चूक गई, अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही। अब टीम का लक्ष्य इस सत्र में वापसी करना रहेगा।

सीए ने वेबस्टर, इंगलिस को बीबीएल खेलने रिलीज किया



सिडनी ।

ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर जोश इंगलिस अब घरेलू बिग बैश लीग में खेलते हुए नजर आयेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने टीम के रिजर्व ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को होबार्ट की ओर से बिग बैश लीग में खेलने के लिए रिलीज कर दिया गया है। वहीं इंगलिस भी अब अब पर्थ की ओर से बीबीएल में खेल सकेगा हालांकि अंतिम एंशेज टेस्ट के लिए इन्हें टीम से जुड़ना होगा। बीबीएल मैचों के बाद दोनों ही खिलाड़ी 4 जनवरी से सिडनी टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम से जुड़ जाएंगे। वेबस्टर ने इस साल सात टेस्ट खेले और और अच्छे प्रदर्शन के बाद भी उन्हें अब तक एंशेज सीरीज में एक बार भी खेलने का अवसर नहीं मिला है। वहीं माना जा रहा है कि कैमरून ग्रीन के असफल होने के कारण उन्हें अंतिम मैच में अवसर मिल सकता है

आईपीएल 2026 के लिए केकेआर ने वाटसन को जोड़ा



कोच बनाए जाने की पुष्टि है। केकेआर के सीईओ वैकी मैसूर ने सोशल मीडिया में लिखा, केकेआर परिवार में शेन वॉटसन का स्वागत करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। उच्चतम स्तर पर एक खिलाड़ी और कोच के रूप में उनका अनुभव हमारी टीम संस्कृति और तैयारी में अहम भूमिका निभाएगा।

। टी20 प्रारूप की उनकी समझ काफी अच्छी है। हम मैदान के अंदर और बाहर, दोनों जगह उनके अच्छे योगदान की उम्मीद करते हैं।

वहीं वॉटसन ने कहा, केकेआर जैसी प्रतिष्ठित फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत सम्मान व गर्व की बात है। मैंने हमेशा केकेआर के प्रशंसकों के जुनून और टीम की

उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता की प्रशंसा की है। मैं कोलकाता को एक और खिताब दिलाने के लिए पूरी ताकत से काम करने के लिए उत्सुक हूं। वॉटसन का आईपीएल में एक खिलाड़ी और कोच के रूप में लंबा अनुभव रहा है, जो के-केआर के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।

वह 2022 और 2023 में दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच के रूप में काम कर चुके हैं। वहीं बतौर खिलाड़ी वॉटसन के आईपीएल करियर पर गौर करें तो 145 मैचों में 4 शतक और 21 अर्धशतक लगाते हुए 137.91 की स्ट्राइक रेट और 30.99 की औसत से 3,874 रन बनाए हैं। साथ ही 92 विकेट हासिल किए हैं।

अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर पर नजर डालें तो, 58 मैचों में 1 शतक और 10 अर्धशतक की मदद से 1,462 रन और 48 विकेट हैं।

श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम में शादाब की वापसी लाहौर ।

पाकिस्तान ने श्रीलंका में जनवरी में होने वाली टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए ऑलराउंडर शादाब खान को टीम में शामिल किया है पर अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी को शामिल नहीं किया है।

आजम और शाहीन अभी ऑस्ट्रेलिया में बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेल रहे हैं और पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) इन्हें वापस नहीं बुलाना चाहता है। शादाब अब नये साल की शुरू-आत में 7 जनवरी 2026 से शुरू होने वाली तीन मैचों की सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। वह कंधे की सर्जरी के कारण इस साल जून से ही खेल से दूर थे। उन्होंने इस महीने बीबीएल से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की, जहां उन्होंने अपने



साथी खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन किया। शादाब के अलावा बाबर, शाहीन, हारिस रऊफ, हसन अली और मोहम्मद रिजवान भी अभी बीबीएल में खेल रहे हैं वर शादाद के अलावा इनमें से किसी को भी टीम में शामिल नहीं किया गया है और ये ऑस्ट्रेलियाई लीग में ही खेलते रहेंगे। इसका कारण है कि पीसीबी ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से कहा है कि बीबीएल में खेलने वाले उर-के खिलाड़ी पूरे सत्र तक खेलते

रहेंगे औरा उन्हें बीच में नहीं बुलाया जाएगा। यही कारण है कि इन खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। पाकिस्तान ने श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के लिए सलमान अली आगा की अगुवाई में 15 सदस्यीय टीम का चयन किया है जिसमें बल्लेबाज ख्वाजा नफे को पहली बार शामिल किया गया है। इसके अलावा अब्दुल समद को भी टीम में जगह मिली है। पाक टीम इस प्रकार है :

साल 2025 में विश्व कप के बाद महिला क्रिकेटरों की ब्रांड वैल्यू कई गुना बढ़ी

नई दिल्ली ।

इस साल महिला विश्वकप क्रिकेट ट्रॉफी जीतने के बाद ही भारतीय टीम की खिला-ड़ियों की ब्रांड वैल्यू बढ़ने से उनपर पैसे की बरसात हुई है।

टीम की खिलाड़ियों की ब्रांड वैल्यू एकदम से बढ़ी है और उनके साथ करार के लिए कई कंपनियां आतुर हैं। स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और कप्तान हरमनप्रीत कौर जैसी खिलाड़ियों की ब्रांड वैल्यू दोगुनी से भी अधिक हो गयी है। इन खिलाड़ियों को अपने विज्ञापन में शामिल करने के लिए ऑटोमोबाइल कंपनियों से लेकर बैंक और एफएमसीजी तक शामिल हैं। इसके अलावा खेल सामग्री बनाने वाली कंपनियां,

जीवनशैली, सौंदर्य प्रसाधन से जुड़ी कंपनियां भी इन्हें अपना ब्रांड एंबेस्डर बनाना चाहती हैं। मंधाना, ऋचा घोष और राधा यादव का प्रबंधन करने वाली कंपनियां भी इससे उत्साहित हैं और उनका मानना है कि ऐसा पहली बार हुआ है। इससे तय है कि महिला क्रि-केटरों का भविष्य उज्जवल है। प्रबंधन से जुड़ी कंपनियों की एक प्रमुख ने कहा, हम उनके ब्रांड मूल्य में तेज उछाल देख रहे हैं। शीर्ष स्तर की किसी खिलाड़ी के विज्ञापन मूल्य में दो से तीन गुना तक बढ़ोतरी हो गई है। जेमिमा की कीमत 60 लाख रुपये से बढ़कर लगभग 1.5 करोड़ रुपए से अधिक हो गई है। शैफाली की कीमत 40 लाख रुपये से बढ़कर लगभग एक करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। हमें शीर्ष खिलाड़ियों के लिए 25-55 फीसद की बढ़त की उम्मीद है।



उन्होंने कहा, हमें यह भी उम्मीद है कि यह जीत वाणिज्यिक बाजार में महिला क्रिकेट को मजबूत करेगी, जहां ब्रांड अल्पकालिक अभियान के बजाय दीर्घकालिक

साझेदारी पर ध्यान देते हैं। महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और प्रशंसकों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी ने भी खिलाड़ियों के ब्रांड मूल्य में वृद्धि में योगदान दिया है।

उन्होंने बताया, जेमिमा के फॉलोअर्स की संख्या दोगुनी 33 लाख हो गई है और शैफाली के फॉलोअर्स की संख्या में लगभग 50 फीसदी की वृद्धि हुई है। बड़ा

बदलाव यह है कि ब्रांड अब उन्हें केवल क्रिकेट सत्र तक सीमित चेहरे के रूप में नहीं देखते हैं और इससे खिलाड़ियों के ब्रांड मूल्य में वृद्धि हो रही है। महिलाएं उन ब्रांडों का प्रचार करके एक और सफलता हासिल करने के लिए तैयार हैं, जिनका अब तक प्रचार पुरुष खिलाड़ी करते रहे हैं। उन्होंने कहा, हम भारत में महिला खिला-ड़ियों के लिए खेल सामग्री, जीवनशैली, सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल तथा शिक्षा जैसे विभिन्न उद्योगों में रुचि देख रहे हैं। उत्स-हजनक बात यह है कि शीर्ष महिला क्रिकेटर अब उन क्षेत्रों में भी प्रवेश कर रही हैं जिन्हें पहले पुरुष-प्रधान माना जाता था। स्मृति हुंडई, गल्फ ऑवल, एसबीआई बैंक, पीएनबी मेटलाइफ जैसे ब्रांडों से जुड़ी हैं, जो पारंपरिक रूप से पुरुष प्रधान क्षेत्र रहे हैं।



एक ऐसा देश जहां आधुनिक यूरोपीय संस्कृति के साथ-साथ लोग अभी भी अपने पारंपरिक मूल्य और संस्कार भी सहेजे हुए हैं। बादलों में उड़कर बुल्गारिया पहुंच जाना एक सपने जैसा था। चलते हैं यहां

सपनों की उड़ान जैसी बुल्गारिया की सैर, खूबसूरती ही नहीं यहां का आर्किटेक्चर भी है लाजवाब

तीन दशक पहले मुझे बचपन में बुल्गारिया जाने का मौका मिला था। एक चिलड्रेंस कैम्प में। उसी की बाद को जाना करने जब मैं दोपहर बुल्गारिया गई, तो महसूस हुआ कि यह स्थान आपको अपनी ओर खींचता है। मुझे अपनी बुल्गारिया यात्रा के दौरान कभी भी सैलानी जैसा एहसास नहीं हुआ, बल्कि ऐसा लगा जैसे मैं कुछ दिनों के लिए वहां बस गई थी। मुझे बुल्गारिया की राजधानी सोफिया और शहर वारना घूमने और रहने का अवसर मिला। बुल्गारिया पहुंचने के लिए हमने नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से तुर्की में इस्तांबुल के लिए फ्लाइट फंकाई। इस्तांबुल से हमें कोर्निकिंग फ्लाइट से बुल्गारियाई शहर वारना पहुंचना था। किन्हीं जगहों से हमारी यह फ्लाइट मिस हो गई और कुछ समय हमें इस्तांबुल एयरपोर्ट की एक लाइज में बिताना पड़ा। देर रात हमें वारना की फ्लाइट मिली और कुछ घंटों में हम वारना शहर में थे।

विहंगम है वारना का नजारा
मैदान, पहाड़, घाटी, संकरे रास्तों व नदियों का देश है बुल्गारिया। वहां की सबसे बड़ी नदी है इस्कर और सबसे बड़ी लोक नगर है। आपको जानकर हैरानी हो होगी कि इस देश में करीब 540 नदियां बहती हैं। एक टैक्सी से हम वारना में होटल पैनोरमा पहुंचे। घूमने में अजीब लगता है, लेकिन सच में वहां तक की ड्राइव मन मोह लेने वाली थी। हरे-भरे खेतों, साफ-सुथरी सड़कों और सुरम्यपेखी के हजारों फूलों के बीच स्टोन फॉरिस्ट तक जाने का रास्ता बेहद मनमोहक था। साथ ही, मन में उतावलापन था कि पत्थरों का जंगल कैसा होगा? स्टोन फॉरिस्ट पहुंचकर सदियों पुराने पत्थर और प्राकृतिक जमीनी सुंदरता और कलात्मकता को देखकर हैरान थे। पेड़, मिट्टी, जंगली पीपे और पत्थरों का यह जंगल पहले एक समुद्र था। पत्थर के खंभों से पटा हुआ यह जंगल बड़े क्षेत्र में फैला हुआ है। वहां का वातावरण बहुत ही

साफ और सुंदर है। खूबसूरत फूल-पौधे चारों तरफ हरियाली बिखेरते बड़े मनोरम लगते हैं। वारना शहर में घूमते हुए हमारी नजर यहां बने चरों पर पड़ी। बहुत ही सुंदर अपार्टमेंट बने हैं। बुल्गारियाई आर्किटेक्चर बहुत सुंदर, आकर्षक और प्रभावी हैं। चारों-बातों में हम कब वारना पार्क पहुंच गए पता ही नहीं चला। इस पार्क की खासियत है कि आप गार्डन के साथ-साथ बाजार भी घूम लेते हैं। यहाँ रेस्टोरेंट्स में तुर्की व बुल्गारियाई व्यंजन काफी पसंद किए जाते हैं। अपनी सुबह हमें बाल्कन-कालिफाकारा जाना है, जो वारना के पास ही बसा एक कस्बा है। यह ब्लैक सी के पास ही स्थित है।

कलियाकारा कैप
कलियाकारा कैप पहुंचने पर हमें यहां एक आर्किगोलॉजिकल साइट भी देखने को मिली, जो एक म्यूजियम की तरह है। यह एक तरह से यहां की

सभ्यता का प्रतीक है। इस म्यूजियम में हजारों साल पुरानी सभ्यता की निशानियां रखी हैं। इनमें बर्तन, हथियार जैसी बहुत सारी चीजें देखने को मिलती हैं। ये सामान खुदाई के दौरान मिले थे। अब इस साइट को टूरिस्ट स्पॉट के रूप में विकसित किया गया है। यहां एक लंबी वॉक के बाद महसूस होता है कि जरूर जीवन यहां कई हजार साल पहले भी रहा होगा। इस तरह के चिन्ह इस वॉक के दौरान देखने को मिलते हैं।

बाल्कन बॉटैनिकल गार्डन
यह एक खूबसूरत बॉटैनिकल गार्डन है। इसे टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया गया है। फूलों से लदे पेड़ आपका स्वागत करते हैं। हेरो फूल, पीपों, पेड़ों और जड़ी-बूटियों से हरे-भरे इस गार्डन में घूमने का एक अलग ही आनंद है। यहां बुल्गारियाई, जापानी गुलाब के साथ एक से बढ़कर एक कैक्टस भी देखने को मिलेंगे।



देश की इन 5 खूबसूरत जगहों की दुनिया भी है दीवानी वक्त निकाल कर जरूर जाएं घूमने

आमतौर पर भी जब खूबसूरत जगहों का जिक्र होता है तो लोग विदेश की अलग-अलग लोकेशंस को गिनाना शुरू कर देते हैं जबकि देश में भी बेहद शानदार जगहें हैं।



आमतौर पर भी जब खूबसूरत जगहों का जिक्र होता है तो लोग विदेश की अलग-अलग लोकेशंस को गिनाना शुरू कर देते हैं, जबकि देश में शानदार जगहें हैं, जिन पर किसी का भी दिल आ जाएगा। खास बात ये है कि इन जगहों की देश में ही नहीं बल्कि दुनिया के लोग भी चीखते हैं। ऐसे में आज यानी कि नेशनल टूरिज्म डे (National Tourism Day) के मौके पर आइए जानते हैं कौन-कौन सी हैं वे जगहें...

गुलमर्ग
इस लिस्ट में सबसे पहला नाम आता है कश्मीर का। कहते हैं कि कुदरत ने इस जगह को नायाब खूबसूरती से बरसा है। यूं तो यहां का कोना-कोना बहुत सुंदर और मनमोहक है लेकिन अगर बात गुलमर्ग की करें तो ये बम्बू कश्मीर का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। इसकी सुंदरता के कारण इसे धरती का स्वर्ग भी कहा जाता है। यह देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। फूलों के प्रदेश के नाम से मशहूर यह स्थान उत्तरी कश्मीर के बारामुला में स्थित है। एडवेंचर स्पोर्ट्स और स्कीइंग के शौकीन लोगों के लिए गुलमर्ग एक बेहद खास जगह मानी जाती है।

गोवा:
गोवा तो घूमने वाले लोगों की लिस्ट में टॉप पर होता है। खासतौर पर रॉयल्टी के लिए। वुवा यहां जान खूब पसंद करते हैं। उन्हें यहां के बीच ही नहीं बल्कि यहां की नाइट लाइफ की एंजॉय करने जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी बीच पर सुकून के पल और फिर एक हसीन रात गुजारना चाहते हैं तो ये जगह देखनी चाहिए।

लेह-लद्दाख:
देश की और खूबसूरत जगह है लेह-लद्दाख। यहां प्राकृतिक

खूबसूरती के साथ-साथ लोग ट्रेकिंग और वाइक साइडिंग में लिए भी आते हैं। इसके अलावा हाइकिंग, कलाइम्बिंग और कैरॉपिंग का मजा लेने भी आते हैं। इसके अलावा यहां व जंपकार वैली, खरदुंग-ला पास, हेमिस नेशनल पार्क भी स्वीटुव गोम्पा जैसी जगहें घूमना एक बेस्ट ऑप्शन होता है।

मुंबई
यूं तो मुंबई को 'फ्लिय नगरी' के नाम से भी जाना जाता है। इस शहर की सपनों की शहर भी कहते हैं। वहां हर रोज लाखों लोग अपनी आँखों में वेपनाह सपने लौकर आते हैं। मगर इस

शहर में भी कई टूरिस्ट प्लेस हैं, जिन्हें देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। यहां घूमने के लिए जुहू चोपाटी, हाजी अल दरगाह, म्हालक्ष्मी मंदिर, गेटवे ऑफ इंडिया, मरीन ड्राइव समेत कई जगहें हैं।

केरल:
देश में घूमने के लिए सबसे सुंदर केरल भी एक अच्छा ऑप्शन है। वहां मूनार की प्राकृतिक खूबसूरती आपका मान भी लेगी। इसके अलावा थैककडी, कोयलम, कुमाराकोम जैसे जगहें भी घूमना एक बेहतरीन ऑप्शन हैं।

सस्ते में लेना है घुमकड़ी का मज़ा, तो इन टिप्स एंड ट्रिक्स के साथ करें प्लानिंग

बहुत से लोग यह सोचकर घूमने से रह जाते हैं कि पैसे कम हैं कैसे घूमेंगे? लेकिन आपको हम बता दें कि अगर आप ढंग से प्लान बनाएं तो कम पैसे में भी आराम से घूम सकते हैं।



आजकल की भागदौड़ वाली जिंदगी में घुमकड़ी खींचनी जैसी है, जो आपको तरोताजा कर देती है। बड़े शहरों की व्यस्त जिंदगी को जरूरत भी है ट्रेवल ताकि आप प्रदूषण और शोर-शराबे से दूर अपने के साथ सुकून के कुछ पल बिता पाएं। सोशल मीडिया के इस दौर में घूमना एक ट्रेंड भी बनता आ रहा है। ऐसे बजट फिट ट्रेवल और भी प्रसंगिक हो जाता है।

घुमकड़ों की तरह घूमने में है असली मजा
यह बात तो सही है कि घूमने और नई जगहों को एक्सप्लोर करने से हम तरोताजा होते हैं। बहुत कुछ सीखते भी हैं। मगर आज की माईगाई वाले दौर में बहुत से लोगों के लिए घूमना बजट पर भारी पड़ता है। जो लोग यह सोचते हैं कि घूमना सिर्फ पैसे वालों का शौक है, तो उनको बता दें कि ऐसा है नहीं। अगर हम थोड़ी मेहनत और थोड़ा रिसर्च करें। इंटरनेट और सोशल मीडिया की मदद लें, तो घूमने का प्लान बजट में बना सकते हैं। बजट फिट ट्रेवल एक ड्रम नहीं है। घूमने का ट्रेंड, जो पहले केवल बड़ों शहरों में ही देखा जाता था, आजकल छोटे-छोटे शहरों में भी इंटरनेट और स्मार्टफोन की वजह से बढ़ रहा है। घूमने का असली आनंद तो घुमकड़ों की तरह घूमने में है न की पर्यटकों की तरह पर्यटन करने में।

कानूनी छेपी एडवांस प्लानिंग
ट्रेवल प्लान करने में सबसे बड़ी चुनौती होती है डेस्टिनेशन तक कैसे जाया जाए? कहाँ भी जाने से पहले उस जगह की अपने शहर से कनेक्टिविटी देखते हैं, इंटरनेट से समय और दूरी को चेक करने के बाद फिर पब्लिक ट्रांसपोर्ट, जैसे- ट्रेन या बस की बुकिंग कराते हैं। एडवांस बुकिंग से जहाँ अंतिम समय की भागदौड़ से बच जाते हैं, वहाँ तलकाल या अन्य चावेंज की भी बचत हो जाती है।

होटल की बजाय होमस्टे बेहतर
किसी भी यात्रा की दूसरी समस्या यह होती है कि हम कूकें कहाँ? जगह सुरक्षित है या नहीं? शहर या घूमने की जगह से बहुत दूर तो नहीं है? सस्ती जगह है तो अच्छी है या नहीं? आजकल ये समस्याएं भी आसानी से हल हो जाती हैं। कई बड़े स्टेशनों पर भारतीय रेलवे के गेस्ट रूम्स भी उपलब्ध होते हैं, जिनकी बुकिंग ट्रेन टिकट के साथ ही एडवांस में की जा सकती है। बहुत से लोकप्रिय ट्रेवल डेस्टिनेशंस में होमस्टे असासानी से मिल जाते हैं यह भी बजट में। यहां रहने पर स्थानीय लोगों का रहन-सहन, खान-पान और उनकी संस्कृति को नजदीक से जानने का मौका मिल जाता है। साथ ही कम जगह से जुड़ी कई ऐसी जानकारीयां भी मिलती हैं जो गुगल के पास भी नहीं होंगी। वैसे, अकेले घूमने वाले लोगों के लिए वाइलड और होस्टल जैसे कई विकल्प मौजूद हैं, जो बहुत कम पैसे में आपको डोमिस्टरीज और कम मुहैया कराते हैं। साथ ही, साथ अपने जैसे और भी लोगों से मिलने-जुलने, उनके अनुभवों को साझा करने का मौका भी मिलता है। यकीन मानिए यात्रा और यक़ीनो दोनो ही बेहतरीन गुरु हैं।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट या वाइक ले लें
आप इंटरनेट पर थोड़ा-सा रिसर्च कर कर लें, तो अपने बजट में रहने की जगह खोज सकते हैं। कई वेबसाइट्स हैं, जो उनके रियू भी उपलब्ध कराती हैं। जरूरत है बस थोड़ा-सा समय देने की। घूमने वाली जगहों पर कई बार लोकल ट्रांसपोर्टेशन बहुत महंगे होते हैं, ऐसी स्थिति में ज्यादातर हम लोकल पब्लिक ट्रांसपोर्ट जैसे लोकल बस, ट्रेन या गेयर ऑटो से काम चलाते हैं। फुकाओं में दुपहिया वाहनों का क्रेज देखते हुए कई जगहों पर 200-500 रोज के हिसाब से वाइक या स्कुटी किराए पर आसानी से मिल जाते हैं। अगर आप वाइक लेना चाहें, तो आसानी से अपना कोई पहचान पत्र उनके पास जमा करना होता है। यह सस्ता, सुविधाजनक और ट्रेंडी रास्ता भी है।



संक्षिप्त समाचार

न्यूयॉर्क में पेड़-पौधे, रास्ते और घरों पर जमी 4 इंच मोटी बर्फ, आइस एज जैसा नजारा



न्यूयार्क,।

न्यूयॉर्क में क्रिसमस के बाद आए विंटर स्टॉर्म से 4.3 इंच बर्फबारी हुई। सेंट्रल पार्क समेत पार्क और घरों पर मोटी बर्फ की चादर जम गई, जो आइस एज जैसा नजारा है। हल्की बर्फाली बांिश से सतहें चमकदार हो गईं। फ्लाइट्स प्रभावित हुईं, लेकिन शहर जल्द सामान्य हो गया। वायरल तस्वीरों में खूबसूरत नजारे नजर आ रहे हैं। क्रिसमस के ठीक बाद आए विंटर स्टॉर्म ने न्यूयॉर्क शहर को बर्फ की मोटी चादर से ढक दिया है। पार्कों के पेड़-पौधे, रास्ते, तालाब और घरों की छतों पर 4 इंच तक मोटी बर्फ से जम गई है। सेंट्रल पार्क में 4.3 इंच बर्फ दर्ज की गई। यह जनवरी 2022 के बाद शहर की सबसे बड़ी बर्फबारी है। शहर के कुछ हिस्सों में 4 इंच तक, जबकि लॉन आइलैंड और कनेक्टिकट में 9 इंच तक बर्फ जमी। 26-27 दिसंबर की रात यह तूफान सबसे तेज था। पहले अनुमान 8-10 इंच का था, लेकिन आखिर में थोड़ा कम गिरा। यैंकी स्टेडियम में फुटबॉल मैच से पहले बर्फ हटानी पड़ी। सड़कें फिसलन भरी हो गईं, लेकिन शहर की सफाई टीम ने जल्दी बर्फ हटा दी। एयरपोर्ट पर सैकड़ों फ्लाइट्स कैसल या देरी से चलीं 400 से ज्यादा फ्लाइट्स प्रभावित रहीं। लोग पार्कों में स्लेजिंग करने पहुंचे, बच्चे बर्फ से खेलते नजर आए। टाइम्स स्क्वायर और मैनहट्टन की सड़कें सफेद नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर ये फोटो वायरल हो रही हैं, लोग कह रहे हैं कि न्यूयॉर्क विंटर वंडरलैंड बन गया है। यह बर्फबारी पिछले कई सालों में कम हो रही थी, लेकिन इस बार का तूफान यादगार बन गया। अब ठंड और बढ़ने लगी है, लेकिन शहर जल्दी नॉर्मल हो गया।

किम जोंग उन ने फिर दिखाई ताकत, लॉन्ग रेंज की क्रूज मिसाइलों का किया परीक्षण प्योंगयांग,।

उत्तर कोरिया के तेज तर्रार नेता किम जोंग उन ने एक बार फिर अपनी सैन्य ताकत दिखाते हुए

लॉन्ग रेंज की क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया है। यह परीक्षण रविवार को किया गया जिसमें मिसाइलें कोरियाई प्रायद्वीप के पश्चिमी समुद्र में उड़ान भरकर अपने लक्ष्य को सटीक रूप से भेदने में सफल रहीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक किम जोंग उन मिसाइलों की उड़ान और लक्ष्य पर सही ढंग टारगेट को निशाना बनाने से संतुष्ट नजर आए। उन्होंने कहा कि देश की परमाणु क्षमता और उसकी तेज प्रतिक्रिया की नियंत्रित जांच जिम्मेदार अभ्यास है, खासकर जब देश को विभिन्न सुरक्षा खतरों का सामना करना पड़ रहा हो। रिपोर्ट के मुताबिक किम जोंग उन ने दोहराया कि प्योंगयांग राज्य परमाणु युद्ध शक्ति के असौमित और निरंतर विकास के लिए सभी प्रयास जारी रखेगा। यह बयान ऐसे समय आया है, जब उत्तर कोरिया 2026 की शुरुआत में होने वाली अहम पार्टी कांग्रेस की तैयारी कर रहा है, जिसमें अगले पांच सालों के लिए देश की विकास योजना तय होगी। रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि मिसाइलें कहाँ से दागी गईं। दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी ने बताया कि दक्षिण कोरियाई सेना ने रविवार सुबह प्योंगयांग के पास सुनान इलाके से कई मिसाइल टेस्ट का पता लगाया। दक्षिण कोरियाई सैन्य अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि उत्तर कोरिया साल के अंत तक और फिर मिसाइल परीक्षण कर सकता है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि किम जोंग उन ने निमाणधीन 8,700 टन वजनी परमाणु ऊर्जा से चलने वाली रणनीतिक गाइडेड मिसाइल पनडुब्बी का निरीक्षण किया। उन्होंने दक्षिण कोरिया की परमाणु पनडुब्बी बनाने की योजना को उत्तर कोरिया की सुरक्षा के लिए खतरा बताया और कहा कि इसका जवाब देना जरूरी है। बता दें 2019 में अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता विफल होने के बाद से उत्तर कोरिया खुद को अपरिवर्तनीय परमाणु शक्ति मानता रहा है और लगातार मिसाइल और सैन्य क्षमताओं का प्रदर्शन कर रहा है।

मेक्सिको में बड़ा ट्रेन हादसा: ओक्साका में पटरी से उतरी यात्री ट्रेन, 13 की मौत और 100 घायल



ओक्साका ।

दक्षिण मेक्सिको के ओक्साका राज्य में एक भीषण रेल दुर्घटना ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। प्रशांत महासागर और मेक्सिको की खाड़ी को जोड़ने वाले नवनिर्मित रेल मार्ग पर एक यात्री ट्रेन अचानक पटरी से उतर गई, जिससे एक बड़ी त्रासदी हो गई। इस दुखद हादसे में अब तक 13 लोगों के मारे जाने की आधिकारिक पुष्टि हुई है, जबकि लगभग 100 यात्री गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। हादसा आधी रात के बाद उस समय हुआ जब ट्रेन अपनी पूरी रफ्तार के साथ दौड़ रही थी। अचानक हुए पटरी विचलन (डिरेलमेंट) के कारण ट्रेन की बोगियां अनियंत्रित होकर एक-दूसरे के ऊपर चढ़ गईं और पलट गईं। घने अंधेरे के बीच मची चीख-पुकार सुनकर स्थानीय प्रशासन और मेक्सिकन नौसेना के जवान तत्काल मौके पर पहुंचे और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। जानकारी के अनुसार, हादसे के समय ट्रेन में चालक दल के 9 सदस्य ड्यूटी पर तैनात थे। रेस्क्यू टीम ने अब तक 13 शव बरामद कर लिए हैं और सभी 100 घायलों को शहर के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां कइयों की हालत नाजुक बनी हुई है।

मेक्सिको की नवनिर्वाचित राष्ट्रपति क्लॉडिया शीनबाम ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने नौसेना सचिव को व्यक्तिगत रूप से घटनास्थल पर मौजूद रहकर राहत कार्यों की निगरानी करने और प्रभावित परिवारों को हर संभव चिकित्सा एवं वित्तीय सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। यह दुर्घटना इसलिए भी चिंता का विषय है क्योंकि यह हादसा उस महत्वाकांक्षी रेलवे प्रोजेक्ट पर हुआ है, जिसका उद्घाटन वर्ष 2023 में आर्थिक कायाकल्प के उद्देश्य से किया गया था।

पाक के विदेश मंत्री ने सच स्वीकारा कहा- ब्रह्मोस के सटीक निशाने से तबाह हुआ नूर खान एयरबेस

इस्लामाबाद,।

भारत और पाकिस्तान के बीच मई 2025 में हुई संक्षिप्त लेकिन तीव्र सैन्य मुठभेड़ एक बार फिर वैश्विक चर्चा का केंद्र बन गई है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इश-ाक डार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि भारतीय सेना के हमलों में उनका रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण नूर खान एयरबेस क्षतिग्रस्त हो गया था। यह स्वीकारोक्ति ऑपरेशन सिंदूर के ठीक सात महीने बाद आई है, जिसने पाकिस्तान के उन दावों की पोल खोल दी है जिनमें वह किसी भी बड़े नुकसान से इनकार

करता रहा था। इस सैन्य टकराव की जड़ें 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कारयतरापूर्ण आतंकी हमले से जुड़ी हैं, जिसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने 26 निर्दोष पर्यटकों की जान ले ली थी। इस घटना के प्रतिशोध में भारत ने 7 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। भारतीय सेना ने सीमा पार पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में स्थित नौ प्रमुख आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। जब पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइलों के जरिए जवाबी कार-रवाई की कोशिश की, तो भारत ने और अधिक आक्रामक रुख अपनاته हुए बोस सुपरसॉनिक



क्रूज मिसाइलों और उन्नत ड्रोनों से पाकिस्तानी एयरबेस पर सट-ीक प्रहार किए। अंततः 10 मई को अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप के बाद युद्धविराम हुआ। इशाक डार के

हालिया बयान ने उन सात बड़े सचों पर मुहर लगा दी है, जिन्हें पाकिस्तान अब तक छिपाता आया था। डार ने स्वीकार किया कि 10 मई की सुबह रावलपिंडी

ईरान अब पूरी तरह अमेरिका, इजराइल और यूरोप से युद्ध करने की स्थिति में

तेहरान,।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा है कि उनका देश अमेरिका, इजराइल और यूरोप के साथ पूरी तरह से जंग की स्थिति में है। यह बयान सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की आधिकारिक वेबसाइट पर प्र-काशित हुआ। पेजेशकियन ने इस युद्ध को 1980-88 के ईरान-इर-ाक युद्ध से भी ज्यादा जटिल और खतरनाक बताया, जिसमें लाखों लोग मारे गए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति मसूद ने कहा कि वर्तमान में आर्थिक, सैन्य और राजनीतिक हर तरफ से दबाव बढ़ा है। यह पारंपरिक जंग से कहीं ज्यादा मुश्किल है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ट्रम्प से फ्लोरिडा के



मार-ए-लागो रिसॉर्ट में मुलाकात करने वाले हैं। इस बैठक में ईरान प्रमुख मुद्दा रहेगा, जिसमें इसके परमाणु कार्यक्रम पर और सैन्य कार्रवाई पर चर्चा हो सकती है। ईरानी राष्ट्रपति ने लोगों से राष्ट्रीय एकता बनाए रखने की अपील की और कहा कि दुश्मन आंतरिक विभाजन का फायदा उठाना चाहते हैं। अमेरिका और उसके

अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने के कदम शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन ने सितंबर में संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों को फिर से लागू किया, जो 2015 के परमाणु समझौते के बाद हटाए गए थे। इन प्रतिबंधों से ईरान की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा है। ईरान का कहना है कि पश्चिमी देश प्रतिबंधों का इस्तेमाल राजनीतिक दबाव के लिए कर रहे हैं, जबकि वे शांति चाहते हैं। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने दावा किया कि जून के हमलों के बावजूद ईरान की सेना अब पहले से ज्यादा मजबूत है। उन्होंने कहा हमारी सेना हथियारों और मैन फोर्स दोनों में। उन्होंने कहा हमारी सेना मजबूती से अपना काम कर रही है। अगर वे फिर हमला करेंगे तो उन्हें मुंह तोड़ जवाब दिया जाएगा।

डोनेशिया के वृद्धाश्रम में भीषण आग, 16 बुजुर्गों की मौत



जकार्ता ।

इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप से एक बेहद दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। उत्तरी सुलावेसी प्रांत की राजधानी मनाडो में स्थित एक वृद्धाश्रम (नर्सिंग होम) में भीषण आग लगने से कम से कम 16 बुजुर्गों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। यह घटना रविवार रात की है, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, आग लगने की सूचना र-विवार रात करीब 8 बजकर 31

मिनट पर दमकल विभाग को मिली। मनाडो शहर के फायर एंड रेस्क्यू एजेंसी प्रमुख जिमी रोटिनसुलु ने बताया कि आग एक नर्सिंग होम में लगी, जहां बड़ी संख्या में बुजुर्ग रह रहे थे। दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास किया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। जिमी रोटिनसुलु ने बताया कि मृतकों में अधिकांश बुजुर्ग अपने-अपने कमरों के अंदर पाए गए। आशंका जताई जा रही है कि आग लगने के समय अधिकतर

बुजुर्ग रात में आराम कर रहे थे और अचानक आग फैलने के कारण बाहर निकलने का मौका नहीं मिल सका। वृद्धाश्रम में रहने वाले कई लोग चलने-फिरने में असमर्थ थे, जिससे वे आग से बच नहीं पाए। दमकलकर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से 12 बुजुर्गों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इन सभी को एहतियात के तौर पर स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। वहीं, तीन अन्य लोग आग में झुलस गए, जिनका इलाज जारी है। हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के शवों को भायंगकारा अस्पताल भेजा गया है, जहां उनकी पहचान की प्रक्रिया जारी है। स्थानीय टीवी चैनल मेट्रो टीवी द्वारा प्रसारित फुटेज में देखा गया कि किस तरह आग ने पूरे वृद्धाश्रम को अपनी चपेट में ले लिया था। चारों तरफ धुआं और लपटें उठ रही थीं, जबकि स्थानीय लोग और राहतकर्मी बुजुर्गों को बाहर

निकालने की कोशिश कर रहे थे। एक दृश्य में कुछ लोग एक बुजुर्ग को सहारा देकर बाहर ले जाते हुए नजर आए। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही सही वजह सामने आ सकेगी। गौरतलब है कि इंडोनेशिया में इस तरह की आग की घटनाएं असामान्य नहीं हैं। हाल ही में इस महीने जकार्ता में एक सात मंजिला इमारत में लगी आग में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, वर्ष 2023 में देश के पूर्वी हिस्से में एक निकल प्रोसेसिंग प्लांट में हुए विस्फोट में 12 लोगों की जान चली गई थी। इस हादसे के बाद एक बार फिर इंडोनेशिया में इमारतों की सुरक्षा व्यवस्था और अग्नि स-ुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

बांग्लादेश में चुनाव से पहले छात्र पार्टी में बिखराव, मुख्य नेता आलम ने दिया इस्तीफा

ढाका,।

बांग्लादेश में हुई क्रांति को लीड करने वाले छात्रों के संगठन नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) से चुनाव से ठीक पहले इस्तीफे देना शुरू हो रहे हैं। इसमें एक नाम सामने आया है जो महफूज आलम का है।

जुलाई आंदोलन के गुरु कहे जाने वाले मुख्य नेता महफूज आलम ने अपने चेलों से दूरी बना ली है। महफूज आलम एनसीपी और जमात-ए-इस्लामी के बीच चुनावी गठबंधन का विरोध कर रहे थे। बांग्लादेश में 12 फरवरी 2026 को आम चुनाव होने वाले हैं, लेकिन एनसीपी संयोजक नाहिद इस्लाम जमात-ए-इस्लामी के साथ गठबंधन के लिए आतुर थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फेसबुक पोस्ट में आलम ने इस

एनसीपी का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया है। इसके बाद इसके 30 सीनियर नेताओं ने एक मेमोरेंडम पर साइन करके इस कदम के खिलाफ अपना रुख जताया और दो बड़े नेताओं ने इस्तीफे का ऐलान कर दिया। महफूज आलम ने पोस्ट में लिखा- मौजूदा हालात में जुलाई के मेरे साथियों के लिए मेरा सम्मान, स्नेह और दोस्ती खत्म नहीं होगी, लेकिन मैं इस एनसीपी का हिस्सा नहीं बन रहा हूं। उन्होंने कहा कि यह सच नहीं है कि मुझे जमात-एनसीपी गठबंधन से कोई प्रस्ताव मिला था, लेकिन मेरे लिए किसी भी ढाका निर्वाचन क्षेत्र से जमात-एनसीपी गठबंधन में उम्मी-दवार बनने से ज्यादा जरूरी मेरी पुरानी स्थिति बनाए रखना जरूरी है। आलम का शख्सियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बांग्लादेश के प्रशास-



ाक मोहम्मद यूनुस ने पिछले साल अमेरिका में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन से महफूज आलम को मिलवाया था, और उन्हें साफ तौर पर जुलाई 2024 में हुई पूरी क्रांति के पीछे का दिमाग बताया था। महफूज आलम उनका यह

पोस्ट एनसीपी संयोजक नाहिद इस्लाम के उस ऐलान के कुछ घंटे बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि चुनाव से पहले व्यापक राजनीतिक एकता के लिए उन्होंने जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल हो गए हैं।

के पास स्थित चकलाला (नूर खान) एयरबेस पर भारतीय प्र-हार हुआ था। यह एयरबेस पाकिस्तानी सैन्य मुख्यालय के बेहद करीब होने के कारण सामर्-रक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील माना जाता है। डार ने माना कि इस हमले में बेस की इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं और कई सैनिक घायल हुए। यद्यपि उन्होंने इसे सीमित नुकसान बताने की को-िशश की, लेकिन रावलपिंडी जैसे सुरक्षित इलाके में भारतीय पहुंच ने पाकिस्तान की चिंता बढ़ा दी है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने यह भी खुलासा किया कि भारत ने मात्र 36 घंटों के भीतर कम से कम 80 ड्रोन हमले किए, जिनमें से एक ने नूर खान बेस को

निशाना बनाया। इसके अलावा, ब्रह्मोस मिसाइलों की मारक क्षमता और सटीकता ने पाकिस्तानी एयर डिफेंस सिस्टम को पूरी तरह बौना साबित कर दिया। रिपोर्टों के अनुसार, नूर खान के साथ-साथ रफीकी और मुरिद जैसे एयरबेस भी निशाने पर थे। डार ने बताया कि 9 मई की रात तत्कालीन प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को आपात बैठक बुलानी पड़ी थी क्योंकि भारतीय हमलों से पूरे देश में हड़कंप मच गया था। पाकिस्तान की यह स्वीकारोक्ति दशार्ता है कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने न केवल आतंकवाद पर चोट की, बल्कि पाकिस्तान के सैन्य आत्मविश्वास को भी हिला कर रख दिया।

मस्जिद में धमाके के बाद भड़की हिंसा, सुरक्षा बलों के जवानों सहित कई लोगों की हत्या



होम्स,।

सीरिया के प्रमुख शहर होम्स में रविवार को तनाव उस समय हिंस-ाक झड़पों में बदल गया जब धार्मिक अल्पसंख्यक अलवी समुदाय के प्रदर्शनकारियों और उनके विरोधी पक्ष के बीच आमना-सामना हुआ। स्वास्थ्य अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इन हिंसक घटनाओं में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि दर्जनों अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। क्षेत्र में सुरक्षा की स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है और तनाव अन्य शहरों तक भी फैल गया है।तनाव की हालिया शुरुआत दो दिन पहले हुई थी, जब होम्स की एक अलवी मस्जिद में शुक्रवार की नमाज के दौरान एक भीषण बम धमाका हुआ था। उस हमले में आठ लोगों की जान चली गई थी और 18 लोग घायल हुए थे।

प्रारंभिक जांच के अनुसार, मस्जिद में विस्फोट उपकरण पहले से लगाए गए थे। इस हमले की जिम्मेदारी सराया अंसार अल-सुन्ना नामक एक अल्पज्ञात समूह ने ली है, जिसने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य अलवी संप्रदाय के लोगों को निशाना बनाना था। मृतकों के अंतिम संस्कार के बाद से ही समुदाय में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। रविवार को प्रदर्शनों का सिलसिला लजीकिया, तरतूस और अन्य इलाकों तक पहुंच गया। ये प्रदर्शन सुप्रीम अलवाइट इस्लामिक काउंसिल के प्रमुख शेख गजल गजल के आह्वान पर आयोजित किए गए थे। लजीकिया में स्थिति तब बेकाबू हो गई जब सरकार समर्थक प्रतिपक्षी गुट और अलवी प्रदर्शनकारी आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर जमकर पथरबाजी की। प्रत्यक्षदर्-शनों के अनुसार, स्थिति को नियंत्रित करने और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों को हवा में गोलियां चलानी पड़ीं। हिंसा के दौरान लजीकिया में सुरक्षा बलों की कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया।

वहीं, तरतूस क्षेत्र से भी हिंसा की खबरें सामने आई हैं। सरकारी सूचना के अनुसार, यहां एक थाने पर हथगोला फेंका गया, जिसमें सुरक्षा बलों के दो सदस्य घायल हो गए। बाद में हुई गोलीबारी में सुरक्षा बल का एक जवान शहीद हो गया। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने पुष्टि की है कि रविवार की इन विभिन्न झड़पों में कुल तीन लोग मारे गए और लगभग 60 लोग घायल हुए हैं। सुरक्षा बलों ने दोनों गुटों को अलग करने के लिए कई इलाकों में मोर्चा संभाल लिया है, लेकिन कट्टरपंथी समूहों द्वारा अलवी संप्रदाय को निशाना बनाए जाने की धमकियों के बाद से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। प्रशासन अब उन संदिग्धों की पहचान करने में जुटा है जिन्होंने मस्जिद हमले को साजिश रची थी, ताकि आगे की हिंसा को रोका जा सके।

समझौते को लेकर एनसीपी में किसी भी फूट से इनकार किया है। नाहिद इस्लाम का दावा है कि सेंट्रल कमेटी, ग्रासरूट्स और सहयोगी संगठन गठबंधन का समर्थन कर रहे हैं। असहमति जताने वाली आवाजों को आपत्ति करने या वोटो करने का अधिकार है।

वहीं इस गठबंधन का विरोध करने वाले एनसीपी नेताओं का तर्क है कि जमात का राजनीतिक इतिहास विवादित रहा है। एनसीपी के इन नेताओं ने बांग्लादेश की आजादी के खिलाफ जमात की भूमिका और 1971 के मुक्ति युद्ध के दौरान नरसंहार और अपराधों में कथित मिलीभगत का जिक्र किया है, और इसे बांग्लादेश की लोकतांत्रिक भावना और एनसीपी के मूल मूल्यों के साथ पूरी तरह से असंगत बताया है।